हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 04 अंक–102 : जौनपुर, मंगलवार 07 जून 2022 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

मुख्यमंत्री योगी नें श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर बच्चों को किया दुलार : सिर पर हाथ रख दिया आशीर्वाद

मथुरा ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को कान्हा की नगरी मथुरा से राधारानी के गांव बरसाना तक भक्ति भावना में डूबे नजर आए। दो दिवसीय मथुरा दौरे के दूसरे दिन की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर ठाकुरजी के दर्शन के साथ की। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मस्थान स्थित केशवदेव मंदिर में ठाकुरजी दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने गर्भगृह और योगमाया मंदिर में दर्शन किए। भागवत भवन में सेवायतों ने मुख्यमंत्री को विधि –विधान से पूजन अर्चन कराया। श्रीकृष्ण जन्मस्थान के बाद मुख्यमंत्री ने गोकुल स्थित रसखान समाधि स्थल पर हुए विकास कार्यों का निरीक्षण किया। यहां मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक हुई। इसमें ब्रज क्षेत्र की कई महत्वाकांक्षी योजनाओं पर चर्चा हुई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री बरसाना पहुंचे। यहां राधारानी मंदिर में विधिवत पूजा की। मंगलवार की सुबह श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकेशवदेव मंदिर में पूजा के बाद गर्भगृह स्थित योगमाया और जन्मस्थान के दर्शन किए। इसके बाद भागवत भवन में श्रीराधा कृष्ण मंदिर में भगवान को भोग आदि अर्पण करते हुए आरती उतार कर आशीर्वाद प्राप्त किया।श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न प्रदेशों से आए दर्शनार्थियों से भेंट कर उनका हालचाल पूछा। इस दौरान मुख्यमंत्री का बाल प्रेम भी देखने को मिला। उन्होंने बच्चों को दुलारा और उनके सिर पर हाथ रखकर

आशीर्वाद दिया। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर दर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोकुल स्थित रसखान समाधि स्थल पहुंचे। उन्होंने रसखान समाधि स्थल को नमन किया। मुख्यमंत्री योगी ने कृष्ण भक्त ताज बीबी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने रसखान समाधि स्थल पर ब्रज तीर्थ विकास परिषद के विकास कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह करीब साढ़े 11 बजे बरसाना पहुंचे। बरसाना पहुंचने पर उन्होंने हाथ जोड़कर लोगों का अभिनंदन स्वीकार किया। राधारानी मंदिर में मुख्यमंत्री ने विधि–विधान से पूजा की। सेवायतों ने मुख्यमंत्री को भगवान श्रीकृष्ण की तस्वीर भेंट की। इस दौरान कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण भी मौजूद रहे। राधारानी मंदिर में दर्शन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संत विनोद बाबा से मुलाकात करने उनके आश्रम पहुंचे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर बरसाना में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही।

विदेशी ई–कॉमर्स कंपनियों के पंजों से रिटेल व्यापारियों को बचाना बहुत जरूरी : संजय गुप्ता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र के तत्वाधान में गौरी बाजार, सरोजनी नगर के लक्ष्मण नर्सरी मैदान में ''विशाल व्यापारी सम्मेलन'' का आयोजन हुआ ''व्यापारी सम्मेलन'' में व्यापारियों ने अपने अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए हुंकार भरी ''व्यापारी सम्मेलन'' में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता मौजूद रहे ''व्यापारी सम्मेलन'' को उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया ''व्यापारी सम्मेलन'' के संयोजक, स्वागताध्यक्ष, संगठन के प्रदेश संगठन मंत्री एवं सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा ने व्यापारियों की समस्याओं को जोरदार तरीके से उठाते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया ''व्यापारी सम्मेलन''में विधानसभा क्षेत्र की गौरी बाजार, सरोजनी नगर, बिजनौर ,अमौसी, हाइडल, हिंद नगर, शांति नगर के अध्यक्ष महामंत्री एवं पूरी कमेटी के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने हिस्सा लिया सम्मेलन में वरिष्ठ व्यापारियों एवं पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया ''व्यापारी सम्मेलन''को संबोधित करते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा वर्तमान में व्यापारियों के सामने चुनौतियां हैं व्यापारी विदेशी e-commerce कंपनियों के कारण बहुत अधिक परेशान है उन्होंने कहा संगठन ई–कॉमर्स का विरोधी नहीं है लेकिन परंपरागत व्यापारियों को प्रतिस्पर्धा के समान अवसर मिलने चाहिए उन्होंने कहा विदेशी ई–कॉमर्स कंपनियों द्वारा भारत के नियम कानूनों का उल्लंघन करते हुए मनमाने तरीके से किए जा रहे व्यापार के कारण प्रदेश के व्यापारियों का व्यापार चौपट होता जा रहा है तथा बंदी के कगार पर है तथा कई व्यापारियों के व्यापार बंद हो गए हैं उन्होंने उत्तर प्रदेश में और देश में विदेशी ई–कॉमर्स कंपनियों पर अंकुश लगाने तथा e-commerce नीति बनाए जाने की मांग की तथा देश और प्रदेश में सरकार से पीपीपी मॉडल पर अथवा सरकार द्वारा स्वयं से ऐमेजॉन की टक्कर पर भारतीय पोर्टल बनाने की मांग की ताकि परंपरागत व्यापारियों को भी e-commerce के माध्यम से व्यापार करने का अवसर मिले उन्होंने जीएसटी का मुद्दा भी उठाया व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा वर्तमान में जीएसटी प्रणाली की विसंगतियों से से व्यापारी बहुत परेशान है उन्होंने कहा स्टेट जीएसटी ट्रिब्यूनल ना होने के कारण व्यापारियों को सीधे हाई कोर्ट जाना पड़ता है जिससे व्यापारियों को बहुत बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है उन्होंने स्टेट जीएसटी ट्रिब्यूनल के गठन की मांग की तथा कमर्शियल हाउस एवं कमर्शियल बिजली की दरों को भी कम करने की मांग की तथा प्रदेश के महानगरों में मिक्स लैंड यूज नीति लागू करने की मांग की व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने व्यापारियों से एकजुट होकर अपने हितों की रक्षा करने हेतु संघर्ष करने को तैयार होने की अपील की तथा उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने को जागरूक किया व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा उत्पीड़न करने वाले भ्रष्ट अधिकारियों से घबराने की आवश्यकता नहीं है उन्होंने कहा भ्रष्ट अधिकारियों का ब्यौरा इकट्ठा करें और उनकी सूची बनाएं ,संगठन लड़ाई लड़ेगा उन्होंने सरकार से व्यापारियों की शिकायत पर अधिकारियों की जांच और प्रभावी कार्रवाई करने की भी मांग की सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष एवं प्रदेश संगठन मंत्री, व्यापारी सम्मेलन के संयोजक ओमप्रकाश शर्मा ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए बाजारों मे अस्थाई अतिक्रमण का मुद्दा जोर–शोर से उठाया तथा व्यापारियों के साथ संघर्ष में सदैव साथ खड़ा रहने का वायदा किया सम्मेलन में पत्रकारों को सम्मानित भी किया गया तथा व्यापारियों ने सम्मेलन में भजन सम्राट किशोर चतुर्वेदी के भजनों का भी आनंद लिया सम्मेलन को संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी, प्रदेश उपाध्यक्ष पवन जयसवाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, जिला अध्यक्ष हरजिंदर सिंह, जिला महामंत्री विनोद सिंह, सरोजनी नगर बाजार के अध्यक्ष शैलेंद्र यादव गौरी बाजार के अध्यक्ष विजय यादव ने भी संबोधित किया कथा सम्मेलन में संरक्षक सुरेश रावत, धर्मेंद्र ,हिंद नगर आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष बलदेव सिंह लाठी, डॉक्टर ए के सिंह, धर्मेंद्र सिंह, विजय सिंह यादव ,अंबुज शर्मा ,शैलेंद्र सिंह यादव, राजेश भदौरिया, विशाल, दिलीप ,विमर्श रस्तोगी, अमित जयसवाल, दयाराम यादव, सुरेश रावत, सतीश गुप्ता, सूरज पांडे, राजीव राजा, उमेश जयसवाल सहित विभिन्न बाजारों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

12 जून को होगा उड़ान टीम इंदौर द्वारा आयोजित युवा वरिष्ठ कवि सम्मेलन एवं धरोहर सम्मान

इंदौर (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : संस्था विद्यांजलि भारत मंच के प्रकल्प उड़ान एक पहल के अंतर्गत संस्थापक दामोदर विरमाल एवं जिला समन्वयक जितेंद्र शिवहरे निस्वार्थ भाव से घरों में छिपी साहित्य कला से जुड़ी प्रतिभाओं को निशुल्क रूप से स्वतंत्र मंच व सम्मान देने हेतु निरंतर सक्रिय व प्रयासरत है। संस्था का उद्देश्य नवांकुर प्रतिभाओं को प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण के लिए तैयार करना और एक श्रेष्ठ रचनाकार के रूप में देश और दुनिया मे ख्याति दिलवाने में सहायता करना है। इसी क्रम में संस्था द्वारा निरंतर सक्रिय रहकर मासिक काव्यगोष्ठी, युवा वरिष्ठ कवि सम्मेलन, अर्धवार्षिक कवि सम्मेलन और महारथी कवि सम्मेलन जैसे आयोजन के अंतर्गत छुपा रुस्तम सम्मान, धरोहर सम्मान, मध्यप्रदेश गौरव सम्मान और महारथी सम्मान से सम्मान भी दिया जाता रहा है और आगे भी दिए जाएंगे। युवा वरिष्ठ कवि सम्मेलन के रूप में 12 जून 2022 रविवार दोपहर 1 बजे से यह आयोजन सम्पन्न होगा जो कि विक्टोरिया लायब्रेरी (महादेवी पुस्तकालय), रोटरी क्लब ऑफ इंदौर सेंट्रल, शासकीय पी.सी. सेठी

चिकित्सालय के पीछे, 15 उषागंज छावनी (जीपीओ) इंदौर में होने जा रहा है। आयोजन में मध्यप्रदेश के कई जिलों से 26 कविगण शिरकत कर रहे है। उक्त आयोजन में इंदौर के 3 वरिष्ठ साहित्यकारों को धरोहर सम्मान देकर सम्मानित किया जायेगा।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ शत–प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को दिलाया जाए। समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सिटी स्टेशन के पास बने फ्लाईओवर पर दोनों सर्विस लेन प्रत्येक दशा में चालू कर दिया जाए, जिससे जाम न लगे। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान चलाकर शहर एवं नगर पालिका/नगर पंचायतों में साफ–सफाई के कार्य, प्लास्टिक जब्तीकरण कराए जाएं। उन्होंने कहा कि सड़क पर कही भी प्लास्टिक न दिखे। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी खंड विकास अधिकारियों के पास उनके विकासखंड में चल रहे निर्माण कार्यों की सूची अवश्य होनी चाहिए। उप निदेशक कृषि को निर्देश दिया कि बीच वितरण के सम्बन्ध में प्रचार–प्रसार कराये और ब्लॉकों में अच्छे किसान का नाम दीवारों पर लिखवाया जाए एवं अन्य विभागों के अच्छे कार्यों की बुकलेट तैयार करें, जिन्हें देखकर अन्य लोग भी प्रेरित हो। जिलाधिकारी द्वारा नमामि गंगे के तहत चल रहे एस.टी.पी. प्रोजेक्ट एवं घाट के सुंदरीकरण के प्रगति की जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया कि समय से कार्य पूर्ण कराये। गो–आश्रय स्थलों की समीक्षा करते हुए मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि सभी गो–आश्रय स्थलों में पशु चिकित्सा अधिकारी अगले दो दिनों में जाकर पशुओं के स्वास्थ्य, पेयजल की उपलब्धता, शेड की व्यवस्था देखें। उन्होंने कहा कि सभी गो–आश्रय स्थलों में हरिशंकरी वृक्ष लगाए जाएं। सभी जगहो पर हरा चारा बोए जाने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी के द्वारा गेहूं क्रय केंद्रों की समीक्षा की गई। विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि विद्युत आपूर्ति में और सुधार लाए और विभाग के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जाए। अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया की निर्माणाधीन फोरलेन की नाली बारिश से पहले बना ली जाए। जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया कि राशन वितरण में घटतौली की शिकायत न आने पाए। समाज कल्याण अधिकारी से छात्रवृत्ति एवं अभ्युदय योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया कि रोस्टर के हिसाब से कक्षाएं चलाई जाए, जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों के द्वारा भी क्लास ली जाएगी। उन्होंने अभ्युदय योजना के तहत चल रही कोचिंग को डायट परिसर में चलाए जाने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी से दवाओं की उपलब्धता, एम्बुलेंश की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया कि सीसीटीवी के माध्यम से चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि यातायात प्रबंधन में अच्छा प्रयास किया गया है। जिन जगहों पर अतिक्रमण हटाया गया है वहां के ट्रैफिक पुलिस एवं लोकल थाने की जिम्मेदारी तय की जाए जिससे लोग फिर से कब्जा न कर पाए। सभी अधिशासी अधिकारियों से कहा कि नगर के चौराहों का सुंदरीकरण किया जाए एवं अच्छी लाइटें लगाई जाए। निर्माणाधीन आगनबाड़ी केंद्रों का कार्य शत–प्रतिशत पूर्ण हो जाए और समय से पोषण ट्रेकर की फीडिंग करा ली जाए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी अनुपम शुक्ला को निर्देश दिया कि सभी सड़कों का सत्यापन कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि गांव में तैनात कार्मिकों की उपस्थिति ऑनलाइन एवं ऑफलाइन वहीं से दर्ज किया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा आईजीआरएस पर आने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। उन्होंने 50 लाख के ऊपर की निर्माण कार्यों की समीक्षा की और निर्देश दिया कि समय से कार्य पूर्ण करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय, जिला विकास अधिकारी बी.बी. सिंह, पीडी अरविंद सिंह, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी आरडी यादव, डीएफओ प्रवीण खरे, बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एफपीओ को प्रोत्साहित कर रही सरकार – जिलाधिकारी

जौनपुर सू.वि. : कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें जिलाधिकारी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी एफपीओ को सरकार प्रमोट कर रही है, ऋण लेने पर 3 प्रतिशत छूट दे रही है। जनपद में गठित 42 व्यक्तियों में से अभी तक मात्र 12 व्यक्तियों ही एआईएफ में रजिस्ट्रेशन कराए हैं उन्होंने शेष कृषकों से भी अपील किया कि सभी लोग एआईएफ में पंजीकरण कराकर के जो भी उन्हें फूड प्रोसेसिंग यूनिट भंडारण गृह, कोल्ड स्टोर, रैपनिंग चैंबर्स, बीज विधायन संयंत्र, मिल्क एंड मिल्क प्रोडक्ट इत्यादि लगवाने हैं उसका डीपीआर तैयार करवाकर के बैंकों को प्रेषित करें। तत्पश्चात समिति की बैठक करा करके उसकी स्वीकृत करा करके उन किसानों को संबंधित यूनिटों से लाभान्वित कराया जाएगा जिससे जनपद के किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त होगा। उन्होंने किसानों से अपील किया की एपीडा में पंजीकरण कराकर अपने उत्पाद को निर्यात कर अधिक कीमत प्राप्त कर किसान अपनी समृद्ध कर सकते हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनुपम शुक्ला, डीसी मनरेगा, डीसी एनआरएलएम, उप कृषि निदेशक, डीडीएम नाबार्ड, मुख्य पशु चिकित्साअधिकारी, डा. रधुबंश मणि पाण्डेय, अपर जिला कृषि अधिकारी डा0 रमेश चन्द्र यादव सहित सभी संबंधित अधिकारी एवं किसान मौजूद रहे।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

कर–करेत्तर व राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कर–करेत्तर राजस्व वसूली की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने लक्ष्य प्राप्त न कर पाने पर जिला आबकारी अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया और सभी तहसीलदारों को निर्देश दिया कि ऑनलाइन त्रुटिपूर्ण खसरा का निस्तारण जल्द करवाएं। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रवर्तन की

प्रभावी कार्यवाही करते हुए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत–प्रतिशत राजस्व वसूली सुनिश्चित की जाय। वाणिज्यकर, खनन, स्थानीय निकाय, परिवहन आबकारी आदि की राजस्व वसूली की प्रगति की जानकारी ली। आबकारी अधिकारी को मदिरा दुकानों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए तथा अवैध शराब के लिए नियमित रूप से जांच पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने समस्त तहसीलदारगण को निर्देशित कर कहा कि विविध देयो की वसूली में तेजी लाई जाए। वादों का निस्तारण समय से व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। वरासत के अविवादित मामलों को फौरन निपटाया जाए। 05 वर्ष से अधिक वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किये जाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि आईजीआरएस सहित विभिन्न स्तरों से प्राप्त होने वाले प्रार्थना–पत्रों का समय से निस्तारण करायें तथा यह भी सुनिश्चित करें कि कोई भी प्रकरण डिफाल्टर की श्रेणी में न रहने पाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) राम प्रकाश एवं अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय, सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आईजी रेंज वाराणसी महोदय ने किया पुलिस कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री के सत्य नरायण पुलिस महानिरीक्षक, वाराणसी परिक्षेत्र वाराणसी महोदय द्वारा आज दिनांक 07.06.2022 को पुलिस कार्यालय जनपद जौनपुर का वार्षिक निरीक्षण किया गया,

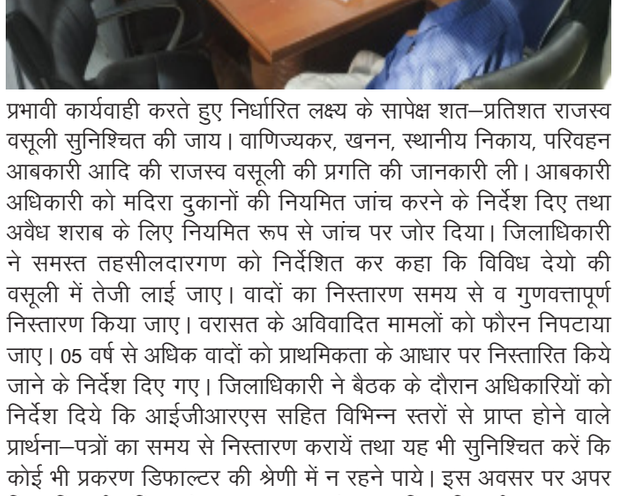

निरीक्षण के दौरान परिसर की साफ–सफाई, प्रधान लिपिक शाखा, आंकिक शाखा व अन्य कार्यालय में अभिलेखों के रखरखाव आदि का निरीक्षण किया गया। प्रधान लिपिक शाखा में अभिलेखों के रखरखाव की प्रशंसा करते हुए पुराने पत्रावलियों को रखने व उनका स्कैन कर हार्डडिस्क में सुरक्षित रखने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस कार्यालय की कार्यप्रणाली की पुलिस महानिरीक्षक, वाराणसी परिक्षेत्र वाराणसी महोदय द्वारा सराहना/काफी प्रशंसा की गयी। निरीक्षण के दौरान श्री अजय साहनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, अपर पुलिस अधीक्षक नगर/ ग्रामीण, क्षेत्राधिकारी नगर व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहें।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

प्यार हमेंशा सॉरी बोलना पसंद करता है जबकि अहंकार हमेंशा सॉरी सुनना पसंद करता है।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

खतरे में वैश्विक खाद्य सुरक्षा : यूक्रेन पर रूस के हमले का असर

जब रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया था, तब उस खाद्य संपन्न क्षेत्र से संसार में आने वाली सबसे घनघोर त्रासदी का किसी को पूर्वानुमान नहीं था। गेहूं, मक्का, सोया, सूरजमुखी और जौ के वैश्विक निर्यात का एक बड़ा प्रतिशत उस क्षेत्र से आता है। आयात पर निर्भर बहुत सारे विकासशील देश दोनों युद्धरत देशों के मुख्य निर्यात बाजार हैं। युद्ध के कारण आज दुनिया के कई आयात–निर्भर विकासशील देशों में खाद्य की कीमत इतनी बढ़ गई है कि लोग और सरकारों के पैर उखड़ने लगे हैं। उनके खाद्य भंडार भी खत्म होने लगे हैं और अकाल अपना डेरा जमाने लगा है।

यह युद्ध इस दृष्टि से अलग है कि खाद्य की कमी, गरीबी और भूख का प्रभाव युद्ध क्षेत्र की तुलना में शेष दुनिया में अधिक होने वाला है। इन दोनों देशों में खाद्य उत्पादन में वृद्धि प्रभावशाली रही है, इसलिए खाद्य आयात–निर्भर देशों को अभी तक खाद्य संकट का सामना नहीं करना पड़ा। सूखा और जलवायु परिवर्तन के कारण फसल की पैदावार में कमी ने विकासशील देशों में भूख और अकाल की आशंकाएं तेज कर दी हैं। रूसी आक्रमण से कितनी ही जानें चली गई हैं, कितनी ही जानें और जाएंगीय इसके अलावा भी असंख्य लोग चुपचाप अकाल की भेंट चढ़ जाएंगे।

इतिहास ने दिखाया है कि जनता को खिलाने की क्षमता से समझौता करना असहनीय आक्रोश को जन्म देता है। विकासशील देशों का क्या होगा, जहां खाद्य कीमत कई गुना बढ़ गई है और बढ़ती ही जा रही है तथा जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं बहुत बड़ी आबादी की पहुंच से बाहर हो रही हैं? क्या यह आबादी रूसी आक्रमण को दोष देगी? श्रीलंका में लोग सड़कों पर पुतिन का नाम लेकर नहीं निकल रहे। भुखमरी युद्ध का सबसे क्रूर हथियार है। हमारी जीवित स्मृति में पश्चिमी अफ्रीका का बियाफ्रा संभवतः इसका सबसे गंभीर उदाहरण है। नाइजीरिया से अलग हुआ बियाफ्रा 1967 से 1970 के बीच एक स्वतंत्र राष्ट्र था। नाइजीरिया के गृहयुद्ध में, जिसे नाइजीरिया–बियाफ्रा युद्ध भी कहा जाता है, बियाफ्रा के 20 लाख से अधिक लोग, जिनमें तीन–चौथाई बच्चे थे, भूख से मर गए थे, क्योंकि नाइजीरिया ने नाकेबंदी कर बियाफ्रा के लोगों के बीच खाद्यान्न का वितरण रोक दिया था। संयुक्त राष्ट्र के नए आंकड़े से पता चलता है कि कुपोषण से पीड़ित दुनिया के 81.5 करोड़ लोगों में 60 फीसदी युद्ध क्षेत्रों में रहते हैं। यमन, इथियोपिया, श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे युद्ध और आतंकवाद से जूझते देश आज 'भूख के हॉटस्पॉट' के रूप में उभर रहे हैं।

बियाफ्रा से भी पहले 1932–33 में पूर्व सोवियत संघ के राज्य यूक्रेन के लोगों के खिलाफ भुखमरी का प्रयोग किया गया था, जिसमें 70 लाख से एक करोड़ के बीच लोग मारे गए थे। यूक्रेन में उसे 'होलोडोमोर' कहा गया, जिसका अर्थ है, भूख से मारना। स्टालिन ने यूक्रेनियों के स्वतंत्रता–प्रेम की भावना को कुचलने के लिए वह कदम उठाया था। 90 वर्ष बाद यूक्रेन में होलोडोमोर एक बार फिर सिर उठा रहा है, और इस बार इसके लिए पुतिन जिम्मेदार हैं। वर्ष 2022–23 की विश्वव्यापी घटनाओं से यह सिद्ध हो जाएगा कि अब खाद्य समृद्धि के युग का अंत हो गया है। विश्व खाद्य सुरक्षा पर लगे युद्ध, संघर्ष और मजहबी आतंकवाद के ग्रहण से नई चुनौतियां भी उभर रही हैं, जो कृषि और खाद्य उत्पादन की सार्वजनिक धारणाओं को प्रभावित कर रही हैं। कोई भी त्रासदी इतिहास को एक नया मोड़ दे जाती है। जब कोई राष्ट्र अकाल या खाद्य संकट से उबरता है, तो वह सर्वप्रथम अपनी खाद्य उत्पादन व्यवस्था को सुदृढ़ करता है, नीतियों में परिवर्तन करता है और अपने लोगों में नवीन आशाओं का संचार करता है। जिन राष्ट्रों का पेट भरा होता है, वे यथास्थितिवाद से जकड़े रहते हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद उन्नत प्रौद्योगिकियों के माध्यम से अमेरिका और यूरोप में कृषि उपज में विस्फोट हुआ। युद्ध और भूख की त्रासदी वर्षों तक झेल चुके राष्ट्रों का मूल मंत्र था, 'शांति के लिए भोजन।'

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद खाद्य–संपन्नता के शिखर पर पहुंचे देशों को अब खाद्य विपन्नता का डर सता रहा है और अकाल की भावी त्रासदी को सूंघते हुए वे अब यथास्थितिवाद का दामन छोड़ने लगे हैं। जिन विकसित देशों से अन्न आयात कर विकासशील राष्ट्र अपने लोगों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर पाते थे, वे अब भारत की ओर हाथ फैलाते दिख रहे हैं। पूरा यूरोप आस लगाए बैठा है कि रूस–यूक्रेन युद्ध के चलते वह भारत से गेहूं आयात करेगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) स्वयं भारत से भुखमरी के कगार पर खड़े देशों को अनाज भेजने की प्रार्थना कर रहा है। अमेरिका और जर्मनी भी भारत से ऐसा कह चुके हैं। विश्व समुदाय का मानना है कि भारत ही दुनिया को अकाल और भुखमरी के चंगुल से बाहर निकाल सकता है।

ऐतिहासिक रूप से, कृषि उपज में वृद्धि मुख्य रूप से पादप प्रजनन नवाचारों से हुई है, जिसे हमने हरित क्रांति का नाम दिया है। लेकिन यह भी सच है कि हरित क्रांति ने पारिस्थितिकी विनाश और पर्यावरण प्रदूषण के रास्ते खोले हैं, और अब यह भी साबित हो गया है कि कृषि की चलताऊ प्रौद्योगिकी दुनिया को खाद्य सुरक्षा नहीं दे सकती। सरकारों, योजनाकारों, नीति निर्धारकों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि शिक्षकों को अक्षय कृषि विकास की नई रणनीति तैयार करनी होगी, जो जैव विविधता पर आधारित हो, पारिस्थितिकी संवर्धन में सहायक हो, पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य के लिए हितकारी हो तथा जो जलवायु परिवर्तन से पैदा हुए घाव भर सके। और एक सनातन सत्य यह है कि कृषि संस्कृति का सहस्राब्दियों पुराना गुरु भारत ऐसी कृषि रणनीतियों को मूर्त रूप देने में सक्षम है।

वर्तमान अन्न संकट से उभरे वैश्विक परिदृश्य में भारत एक विश्व–रक्षक जैसी भूमिका में उभरा है। भारत के लिए यह एक स्वर्ण अवसर है कि अपनी कृषि संस्कृति के स्वर्णिम युग से प्रेरणा लेते हुए वह मर रही कृषि प्रधानता को पुनर्जीवित करे। औद्योगिक कल्चर नहीं, बल्कि कृषि संस्कृति ही भारत के, और भारत के माध्यम से विश्व के कल्याण हेतु सर्वथा सार्थक होगी, और इसी के माध्यम से देश के बहुसंख्यक किसानों के भी भाग्य जागेंगे।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

मोदी सरकार की योजनाओं से हुआ महिला सशक्तिकरण : रोली गुप्ता

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के केंद्र में 8 वर्ष पूर्ण होने पर निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख रोली गुप्ता ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर आशा कार्यकत्रियों एवं महिलाओं को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आठ साल के कार्यकाल में लागू योजनाओं से महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शासन द्वारा गरीबों के कल्याण हेतु चलाई जा रही योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा कार्यकर्ता 1 जून से 14 जून तक प्रत्येक बूथ पर बूथ जाकर सम्पर्क अभियान कर मोदी सरकार में 8 सालों में किए गए कार्यों के बारे में बता रहे हैं । उन्होंने बताया कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट ने कई अहम फैसलेघ लिए।पीएम आवास योजना से लगभग 2 करोड़ घरों का महिलाओं को स्वामित्व मिला।प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अपना पक्का घर मिलने से देश के गरीबों के जीवनस्तर में व्यापक बदलाव आ रहा है। श्रीमती रोली ने कहा कि कृषि से लेकर सूक्ष्म और लघु उद्योगों में स्वयं सहायता समूहों को पूंजी उपलब्ध करा कर सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है. अपना उद्यम शुरू करने के लिए भी महिलाओं के लिए अतिरिक्त सब्सिडी की व्यवस्था है।वहीं उज्जवला योजना के तहत सरकार ने 200 रुपये प्रति सिलेंडर गैस सब्सिडी दिए जाने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए मोदी सरकार जब दूसरी बार सत्ता में आई तो सबसे पहले मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से निजात

दिलाने का कदम उठाया. सरकार ने 'मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक–2019' को लोकसभा और राज्यसभा से पारित कराया. इस विधेयक के पास होते ही लंबे समय से तीन तलाक पर चल रही कानून बनाने की मांग पूरी हुई. एक अगस्त 2019 से तीन तलाक देना कानूनी तौर पर अपराध के दायरे में आ गया है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने रोगियों को औषधि आदि का भी वितरण वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ नोमान उल्ला की निगरानी में किया।इस अवसर पर कृति वर्मा,पूजा मिश्रा,विमलेश कुमारी,सुमन वर्मा,उर्मिला सैनी आदि भाजपा महिला पदाधिकारी मौजूद रहीं।

जेष्ठ के चौथे मंगलवार को नगर में परसाद वितरण का हुआ आयोजन

हरदोई पत्रकार जनार्दन श्रीवास्तव : तहसील सवायजपुर क्षेत्र के पाली कस्बा के मोहल्ला पटियानीम स्थित भोले बाबा मंदिर पर नेहरू युवा मंडल पाली के प्रशान्त कुमार''पी0के0'' एवं उनके अन्य सहयोगी श्रद्धालुओं की ओर से शर्बत व खीर के प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। परसाद वितरण का शुभारंभ पूजन अर्चन के बाद प्रारंभ हुआ। आपको बता दें कि इस बार जेष्ठ मास का प्रारंभ 17 मई से प्रारंभ हुआ और समापन 14 जून को है। इस वर्ष इस महीने की खास बात यह है कि इसका प्रारंभ और समापन दोनों मंगलवार को होगा। जेष्ठ मास में इस बार पांच बड़े मंगलवार मिल रहे हैं। जिसमें आज चौथे मंगलवार को पाली कस्बे के मोहल्ला पटियानीम स्थित भोले बाबा मंदिर पर श्रद्धालुओं द्वारा शर्बत व खीर के प्रसाद का वितरण किया गया। इस सुअवसर पर लोगों ने काफी संख्या में पहुंचकर जयकारे लगाते हुए परसाद ग्रहण

किया। इसी तरह नगर में अन्य कई स्थानों पर भी भंडारे का आयोजन किया गया।जिसमें कहीं सब्जी पूड़ी बटी तो कहीं शर्बत बट रहा था।भक्त भी परसाद लेने से पीछे हटते नजर नहीं आ रहे थे। इस मौके पर शिवप्रकाश बाजपेयी, धीरज, सूरज,कपिल ,ओमप्रकाश धीरु,कुश आदि बजरंग भक्तों ने परसाद वितरण में काफी सहयोग प्रदान किया।

जेष्ठ मास के चौथे मंगलवार को सीएचसी पर विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

हरदोई पत्रकार जनार्दन श्रीवास्तव : जेष्ठ मास के चौथे मंगलवार को शाहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर अधीक्षक एमपी जायसवाल की अध्यक्षता में विशाल भंडारे का आयोजन कर परसाद वितरण किया गया। आपको बता दें कि जेष्ठ मास का प्रारंभ 17 मई से हुआ है और समापन 14 जून को है। इस वर्ष जेष्ठ मास की खास बात यह है कि इसका प्रारंभ और समापन दोनों मंगलवार के दिन होगा। जेष्ठ मास में इस बार पांच बड़े मंगल मिल रहे हैं।जिसमें आज चौथे मंगलवार को हरदोई जनपद के कस्बा शाहाबाद स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का शुभारंभ पूजन अर्चन के साथ प्रारंभ हुआ। परसाद वितरण का प्रारंभ सुबह 8 बजे से ही शुरू हो गया।परसाद लेने वाले भक्तों का तांता लगा रहा। बजरंग भक्त परसाद लेने से पीछे हटते नजर नहीं आ रहे थे। जिसमें लगभग 1500 बजरंग भक्तों ने परसाद ग्रहण किया और जयकारे लगाते हुए बड़े श्रद्धा भाव

से लाइन में लगकर परसाद लिया। इस अवसर पर चीफ फार्मासिस्ट डॉ अनिल मिश्रा, डॉ बी0के0 मिश्रा ,डॉ बी0डी0 द्विवेदी, सीनियर फार्मासिस्ट डॉ आशुतोष कुमार, डॉ निर्मल मिश्रा, सहित समस्त स्टॉफ ने परसाद वितरण में काफी सहयोग प्रदान किया।

ऑपरेशन पाताल के तहत तीन नफर वारंटी गिरफ्तार

हरदोई पत्रकार जनार्दन श्रीवास्तव : पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में अपराध नियंत्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान आपरेशन पाताल के तहत अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी शाहाबाद के कुशल नेतृत्व में पाली थाना पुलिस टीम ने मुखबिर की खास सूचना पर विभिन्न धाराओं में तीन वांछित नफर वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया। पाली थाने के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें मुखबिर द्वारा विभिन्न धाराओं में वांछित नफर वारन्टी अभियुक्तों के बारे में सूचना मिली तो उन्होंने

अविलंब मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान पर उपनिरीक्षक सुरेन्द्र मिश्रा को पुलिस टीम के साथ भेज दिया। और उपनिरीक्षक मिश्रा ने साथी पुलिस कर्मियों के सहयोग से तीनों वांछित अभियुक्तों को उनके घर से दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में पाली थाना क्षेत्र के हरिबक्स सिंह पुत्र कृष्ण पाल(38) निवासी ग्राम मुंडेर ,हरिनाथ सिंह उर्फ पंडित पुत्र कृष्ण पाल(42) निवासी ग्राम मुंडेर, नरेश सिंह पुत्र दीप सिंह (70)निवासी ग्राम भरखनी की गिरफ्तारी की गई है ।तीनों गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में उप निरीक्षक सुरेन्द्र मिश्रा,कांस्टेबल आलोक कुमार, राजेश कुमार, अनुज कुमार शामिल रहे।

आपरेशन ब्लू स्टार के शहीदों एवं मारे गए निर्दोष सिक्खों की याद में अरदास एवं श्रद्धांजलि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। दिनाँक 06.06.2022 को प्रातः के दीवान में श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर साहिब में हुए आपरेशन ब्लू स्टार के शहीदों एवं मारे गये निर्दोष सिक्खों की याद में ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरू नानक देव जी, श्री गुरू सिंह सभा,नाका हिन्डोला, लखनऊ में अरदास की गई। प्रातः श्री सुखमनी साहिब के पाठ के उपरान्त रागी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी ने अपनी मधुरवाणी में आसा की वार का शबद कीर्तन गायन किया। ज्ञानी सुखदेव सिंह जी ने आपरेशन ब्लू स्टार के बारे में बताया कि इस आपरेशन में जो निर्दोष साध संगत जो गुरु जी के दर्शनों के लिए श्री दरबार साहिब (स्वर्णमन्दिर) में सपरिवार आई थी ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान उसमें से सैकड़ों लोग शहीद हो गए जिन्हें हम अपनी श्रद्धा के फूल भेंट करते हैं। ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरू नानक देव जी,श्री गुरु गुरू सिंह सभा नाका हिंडोला लखनऊ के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने कहा कि जब भी जून का महीना आता है तो वो हमें श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर 1984 के आपरेशन ब्लू स्टार के उस काले दिन की याद दिलाता है जिसमें श्री दरबार श्री अमृतसर साहिब, श्री अकाल तख्त साहिब को अपने ही देश की फौज ने बमों से ध्वस्त कर दिया और दर्शनों के लिए आये श्रधालुओं को भी बाहर निकलने का मौका नहीं दिया और उनको शहीद कर दिया। इसके लिए विश्व का प्रत्येक सिख इस घटना की घोर निन्दा

करता है। महामंत्री हरमिंदर सिंह टीटू ने कहा कि आज के दिन हम आपरेशन ब्लू स्टार में हुए सभी शहीद सिक्खों को याद करते हैं और उनकी आत्मिक कल्याणता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। स0 सतपाल सिंह मीत स्टेज सेकेटरी ने कहा कि जिस देश को गुलामी से आजाद कराने के लिए सिक्खों ने सर्वाधिक कुर्बानियां दी हों उन्हीं के पवित्र स्थान अकाल तख्त को ध्वस्त कर दिया गया और हजारों को मारकर शहीद कर दिया गया। हम शहीदों की आत्मिक शांति के लिए प्रभु के चरणों में अरदास करते हैं। स0 हरविन्दरपाल सिंह नीटा ने कहा कि ईश्वर के चरणों में हम सब की अरदास है कि देश सुख–शान्ति, समृद्धि और प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़े। उसके उपरांत चाय का लंगर श्रद्धालुओं में वितरित किया।

पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों पर अवैध वेंडरों को रोका जाए: पंकज श्रीवास्तव

आर एल पाण्डेय गोण्डा। पूर्वोत्तर रेलवे परामर्शदात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष से पूर्वोत्तर रेलवे के अन्तर्गत चलने वाली अधिकतर ट्रेनों एवं सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अवैध वेण्डरों द्वारा की जा रही अवैध वेण्डिंग पर रेल यात्रियों के हित में रोक लगाते हुए कार्यवाही करने का अनुरोध किया है। पूर्वोत्तर रेलवे परामर्शदात्री समिति के सदस्य एवं भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव ने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन को सम्बोधित पत्र में गोरखपुर जोन के अन्तर्गत दर्जनों की संख्या में चलने वाली ट्रेनों में अवैध वेण्डरों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के रेल यात्रियों के जान माल के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ट्रेनों एवं प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर गैंगवार कार्यरत अवैध वेण्डरों के गुणवत्ता विहीन खाद्य व पेय पदार्थों एवं विभिन्न वस्तुओं की बिक्री से रेल यात्री बहुत परेशान हैं। यात्रियों के द्वारा गुणवत्ता व कीमत को लेकर एतराज जताने पर मारपीट पर उतर आते हैं। रेलवे स्टेशनों पर शिकायत का कोई महत्व भी नहीं रहता है। जबकि ट्रेन में चल रहे राजकीय रेलवे पुलिस व रेल सुरक्षा बल का स्कोर्ट भी अवैध वेण्डरों की तरफदारी में रहता है और यात्रियों से दुर्व्यवहार भी करता है। दबंग ठेकेदारों द्वारा चुनिन्दा वेण्डरों के अन्तर्गत अवैध वेण्डरों की सक्रियता से प्रतिवर्ष लाखों रूपये के राजस्व का नुकसान रेलवे को हो रहा है। दैनिक रेल यात्री, व्यापारी, विभिन्न सरकारी/गैर सरकारी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारी अवैध वेण्डरों से बहुत परेशान हो चुके हैं। क्योंकि विभिन्न स्टेशनों पर कार्यरत अवैध वेण्डर रेल यात्रियों के रेलवे स्टेशन पर उतरने के पूर्व ही उसमें धक्का–मुक्की करके चढ़ने का प्रयास करते हैं और प्लेटफार्म पर चढ़ते हुए यात्रियों से बदसलूकी भी करते रहते हैं। जिसकी कई बार शिकायत सम्बन्धित अधिकारियों से की जा चुकी है। किन्तु कोई संतोषजनक कार्यवाही सक्षम रेल अधिकारियों के द्वारा नहीं की गयी। इसमें दबंग एवं प्रभावशाली रेलवे ठेकेदार भी रेल यात्रियों के शोषण एवं दुर्व्यवहार में शामिल हैं। इन लोगों के कारण रेलवे की छवि धूमिल और रेलवे को प्रतिवर्ष लाखों रूपये राजस्व की हानि हो रही है। जेड0आर0यू0सी0सी0 मेम्बर एन0ई0आर0 पंकज कुमार श्रीवास्तव ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष समेत सभी सम्बन्धित वरिष्ठ रेल एवं पुलिस अधिकारियों से रेल यात्रियों के हित में अवैध वेण्डरों की मनमानी पर कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों एवं विभिन्न स्टेशनों पर कार्यरत रेल अधिकारियों पर अंकुश लगाने का आग्रह किया है।

सही कैरियर का चुनाव है जरूरी : आबाद अली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। पहल डिजाइन के डायरेक्टर आबाद अली ने भेंट वार्ता में बताया कि मां बाप अपने बच्चो को सही दिशा व सही कैरियर की तलाश में परेशान रहते है जबकि अपने देश में कैरियर के बहुत सारे ऑप्शंस मौजूद है। डिजाइन , आर्किटेक्चर , इंटीरियर एंड फाइन आर्ट्स में भी कैरियर का ग्राफ पिछले कई सालों से बढ़ता ही जा रहा है। पहल डिजाइन ने जानकारी साझा की कैसे बच्चो को अपने कैरियर को एक मुकाम दे सकते है। लखनऊ के रहने वाले अभिषेक हो या गौरव या रोहित सभी ने पहल से तैयारी करके अपने सपने को साकार किया और कैसे आज नेशनल स्कूल ऑफ डिजाइन से पास हॉकर , टीसीएस, माइक्रोसाफ्ट, गूगल में डिजाइनर के पद पर काम कर रहे है। किसी का भी पैकेज 20 लाख सालाना से कम नहीं है। और हर साल इसी तरह। से पहल डिजाइन ने अपने यह तैयारी करा कर बच्चो का भविष्य बनाने का कार्य किया है। पहल डिजाइन के आबाद बताते है कि डिजाइन में आने के लिए किसी तरह की पर्सेंटेज या किसी खास सब्जेक्ट से पास होने की बाध्यता नहीं होती इसलिए इसके कोई भी अप्लाई कर सकता है । पहल डिजाइन में फैकल्टी का

लेवल ऊंचा है। पहल ने एक बेंच मार्क कर दिया है कि कैसे बच्चो को क्वालिटी एजुकेशन कराई जाए। जिसके वजह से हमारे यह से ट्रेंड किए हुए शिक्षक कई संस्थानों में मुंह मांगा पैसा पा जाते है। पहल डिजाइन को पूर्व उपमुखमंत्री डॉ दिनेश शर्मा द्वारा श्रेष्ठ संस्थान का पुरुस्कार भी मिल चुका है। पहल डिजाइन हलवासिया कोर्ट में तृतीय तल पर स्थित है और अलीगंज में सेक्टर ई में। किसी तरह की जानकारी और काउंसलिंग बिना किसी पैसे के किसी भी ब्रांच से ली जा सकती है।

12 और उपद्रवी गिरफ्तार : अब तक 50 गिरफ्तारियां : आज जारी होगा दूसरा पोस्टर

कानपुर ब्यूरो : कानपुर में हुई हिंसा और बवाल के मामले में पुलिस की तरफ से पत्थरबाजों और उपद्रवियों के पोस्टर जारी करने का असर दिखाई देने लगा है। पोस्टर चस्पा होने के बाद पत्थरबाज खुद सरेंडर कर रहे हैं। हिंसा में शामिल एक आरोपी ने सोमवार देर रात खुद को कर्नेलगंज थाने में सरेंडर किया है। चो वीडियो फुटेज में भी दिखाई दे रहा था। इसके अलावा मंगलवार को 12 आरोपी और गिरफ्तार किए गए हैं। अब तक कुल 50 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दो और सोशल मीडिया हैंडल्स पर एफआईआर कानपुर में नई सड़क पर हुए बवाल में कुछ लोगों ने सोशल मीडिया के जरिये माहौल बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भड़काऊ पोस्ट कर लोगों को उकसाया गया। पुलिस ने पहले ऐसे आठ लोगों के एकाउंट चिह्नित किए थे। वहीं, दो अन्य हैंडल्स पर भी एफआईआर दर्ज की

गई है। इनके खिलाफ आईटी एक्ट व धार्मिक भावनाएं आहत करने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। आज जारी होगा दूसरी पोस्टर कानपुर में हिंसा के बाद पुलिस का एक्शन लगातार जारी है। पुलिस दबिश देकर आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी है। अभी तक 40 लोगों के पोस्टर लगाए गए हैं। वहीं, आज पुलिस आरोपियों का दूसरा पोस्टर जारी करेगी। बता दें कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और वीडियो के जरिए फोटो हासिल किए थे। इन फोटो के जरिए उन सभी लोगों को पहचानने का काम किया जा रहा है।

बैंक मैनेजर के साथ दुर्व्यवहार का आरोपित पुलिस आने की सूचना पाकर हुआ फरार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जफराबाद थाना क्षेत्र के सरैयां भुलेमऊ गांव में एक व्यक्ति ने अपने घर पर ऋण वसूली के संदर्भ में आये धर्मापुर यूनियन बैंक के मैनेजर के साथ 4 जून को हाथापाई व गाली गलौज कर लिया था। तहरीर मिलने के बाद पुलिस सोमवार को आरोपित के घर पहुचने वाली ही थी कि जानकरी हो जाने पर आरोपित घर छोड़कर फरार हो गया। फिलहाल पुलिस उक्त व्यक्ति के तलाश मे लगी हुई है। बीते शनिवार 4 जून की शाम लगभग पांच बजे धर्मापुर बाजार स्थित यूनियन बैंक के मैनेजर विकास कुमार अपने एक कर्मचारी के साथ जफराबाद थाना क्षेत्र के सरैयां भुलेमऊ गांव के निवासी राम कुमार जायसवाल से ऋण वसूली के संदर्भ में बात करने के लिए गए थे। आरोप है कि जैसे ही बैंक मैनेजर विकास कुमार ने राम कुमार जायसवाल से बैंक के ऋण वसूली के लिए बात करने की कोशिश किये वैसे ही राम कुमार ने बैंक मैनेजर विकास कुमार को गाली गलौज देते हुए हाथापाई करने लगा। बैंक मैनेजर के साथ हाथापाई होते देख आस पास के लोग दौड़े पड़े। लोगो ने किसी तरह मैनेजर को राम कुमार से अलग किया। बैंक मैनेजर ने शनिवार देर रात को ही जफराबाद थाने पर पहुचकर राम कुमार जायसवाल के विरुद्ध मारपीट करने व सरकारी कार्य मे बाधा पहुचाने की तहरीर दिया। तहरीर मिलने पर जफराबाद थाने की पुलिस हरकत में आई। पुलिस टीम रविवार की देर शाम और सोमवार को तड़के सुबह आरोपित को पकड़ने के लिए उसके घर पर दबिश दिया लेकिन पुलिस आने की आहट पाकर आरोपित घर से फरार हो गया। अभी भी आरोपित पुलिस के हाथ नही लगा है। इस संदर्भ में पूछे जाने पर थानाध्यक्ष जफराबाद राजाराम द्विवेदी ने बताया कि बैंक मैनेजर के द्वारा तहरीर मिल गयी है। आरोपित को पकड़ने के लिए पुलिस लगी हुई है। उचित कार्रवाई की जाएगी।

आर एस एस कार्यकर्ताओं के हस्तक्षेप से तालाब में रुका नाले का गन्दा पानी : कई दिनों से गाँव में चल रहा था विवाद

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : रामपुर विकासखंड के धनंजयपुर गांव में पिछले कुछ दिनों से गांव के बीचो बीच स्थित मॉडल तालाब में ग्राम प्रधान द्वारा नाली का गन्दा पानी गिराए जाने के कारण काफी विवाद चल रहा था जिसको लेकर ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी व जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की थी , लेकिन प्रार्थना पत्र के बावजूद तालाब में नाले का गन्दा पानी नहीं रुका जिसको लेकर गांव के ही आर एस एस कार्यकर्ता योगेश व सुनील कुमार ने संघ के पदाधिकारियों से गुहार लगाई योगेश पटेल का कहना है कि गांव के घनी बस्ती के बीच यह मॉडल तालाब है इसमें पशु पक्षी पानी पीते हैं गांव के लोग नहाने व कपड़े धोने का भी काम करते हैं लाखों रुपए की लागत से पूर्व प्रधान ने पक्के घाटों का निर्माण भी कराया था ,इसके बावजूद वर्तमान प्रधान इसमें गांव के कुछ घरों के नाली का गन्दा पानी जबरन गिरा रहे थे प्रार्थना पत्र देने के बाद भी कार्यवाई नहीं होने पर रविवार की सुबह संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी गांव में इकट्ठा हुए जिसकी सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष रामपुर दिव्य प्रकाश सिंह उपनिरीक्षक श्री भगवान मय फोर्स व हल्का लेखपाल भी मौके पर पहुंच गए और यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस उपयोगी तालाब में नाली का पानी ना गिराया जाए , इस संबंध में राजस्व निरीक्षक शिवम साहू ने बताया कि ग्राम प्रधान को निर्देशित कर दिया गया है कि इस तालाब में नाली का पानी न गिराया जाय इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता ब्रह्मदेव उपध्याय ,अरविंद, योगेश पटेल , मनीष , ज्ञान प्रकाश , संजय जयसवाल, सुनील कुमार जयप्रकाश तिवारी ,रमेश दुबे आदि लोग मौजूद रहे।

कुलसचिव संग वार्ता में आंदोलन समाप्त करने पर बनीं सहमति : आंदोलन खत्म होने पर कुलपति के संग बैठक में होगा विमर्श

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ कुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक की सोमवार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में वार्ता हुई। कुलपति महेंद्र कुमार ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों के तकनीकी पहलू को समझाया गया। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रामजी सिंह और महामंत्री केशव यादव के साथ हुई वार्ता में उन्होंने बताया कि यह आपके हित में किया गया निर्णय है। इससे कर्मचारियों का कोई नुकसान नहीं है। आंदोलन खत्म होने पर आपकी मांगों के संदर्भ में कुलपति के साथ बैठकर अन्य बिंदुओं पर भी वार्ता होगी। इस पर प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को आश्वासन दिया कि हम कर्मचारियों से बात कर आंदोलन खत्म कर लेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा है कि वार्ता के दौरान प्रतिनिधिमंडल संतुष्ट था। भरोसा दिलाया गया है कि विश्वविद्यालय की कुलपति के साथ बात कर आपकी हर समस्या का समाधान करने की पहल की जा रही है। ६ वरिष्ठता के आधार पर प्रोन्नति भी की जा रही है। कुछ मांगों पर तकनीकी रूप से दिक्कत है उस पर भी विचार किया जा रहा है। अधिसंख्य पद पर मृतक आश्रित के लिए शासन से दिशा निर्देश आने पर समाधान हो जाएगा। पुनः वरिष्ठता सूची तैयार करने के लिए समिति का गठन किया जा रहा है जिससे कर्मचारियों की समस्याओं का निस्तारण हो सके। कर्मचारियों की अधिकतर समस्याओं का समाधान कर दिया गया है। कुलपति प्रो.निर्मला एस मौर्य खुद कर्मचारियों की समस्या के प्रति भावुक रहतीं हैं। कर्मचारियों के हित में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाएगा। नियम के दायरे में उसका समाधान निकाला जाएगा। कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता में अध्यक्ष राम जी सिंह और महामंत्री केशव प्रसाद के साथ अन्य लोग शामिल थे। कुलसचिव कक्ष में वार्ता के दौरान कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय राय परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह और अधीक्षकगढ़ शामिल थे।

स्वाट व सर्विलांस व थाना जफराबाद की संयुक्त टीम ने 08 अन्तर्जनपदीय मोबाइल टावर की बैटरी चोरी करने वाले शातिर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर के पर्यवेक्षण में स्वाट, सर्विलांस प्रभारी व थानाध्यक्ष जफराबाद मय हमराह आपस में जनपद स्तर पर अपराध एवं अपराधियो व जनपद स्तर पर मोबाइल टावर में उपयोग किये जाने वाले बैट्री चोरियों के रोकथाम एवं अनावरण के सम्बन्ध में विचार विर्मश कर रहे थे कि जरिये मुखबिर खास सूचना मिली कि कुछ लोग एक काले रंग की स्कार्पियो में मोबाइल टावर की बैटरी जो चोरी की प्रतीत हो रही है को ले जाकर कही बेचने के फिराक में है, और इस समय बेलाव पुल के पास गोमती नदी के किनारे झाड़ियो के बीच मे इकट्ठे है। यदि आप जल्दि करें तो पकड़े जा सकते है। इस बात पर विश्वास कर पुलिस बल को 4 टीमो में बांट कर अलग–अलग दिशाओ में हिकमत अमली का प्रयोग करते हुए पकड़ने हेतु बताया गया। पुलिस बल के द्वारा बैठे हुए व्यक्तियो को चारो तरफ से घेरा बनाकर एक बारगी दबिश देकर घेर घार कर मौके से ही 8 व्यक्तियो को पकड़ लिया गया, जिनके कब्जे से 28 बैट्री तमंचा कारतूस नकदी व स्कार्पियों वाहन बरामद हुआ। गिरफ्तारी बरामदगी के आधार पर अभियुक्तों के विरुध्द थाना जफराबाद पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त उपरोक्त की गिरफ्तारी से जनपद में इस तरह की घटनाओं की पर प्रभावी अंकुश लगेगा। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण– 1.शिवम नाविक पुत्र स्व0 रामानन्द निवासी ग्राम मोहिद्दीनपुर थाना जफराबाद जिला जौनपुर। 2.अरविन्द निषाद पुत्र महेन्द्र निषाद निवासी ग्राम मोहिद्दीनपुर थाना जफराबाद जिला जौनपुर। 3.सुजीत निषाद उर्फ सुशील निषाद पुत्र राजेन्द्र निषाद निवासी मोहिद्दीनपुर थाना जफराबाद जौनपुर। 4.अनिल निषाद पुत्र राम अवतार निषाद निवासी ग्राम मोहिद्दीनपुर थाना जफराबाद जिला जौनपुर। 5.सुनील निषाद पुत्र स्व0 वंशराज निवासी ग्राम मोहिद्दीनपुर थाना जफराबाद जिला जौनपुर। 6.बेचन निषाद पुत्र उमाकान्त निषाद निवासी ग्राम मोहिद्दीनपुर थाना जफराबाद जिला जौनपुर। 7.राजेश निषाद उर्फ जोखन पुत्र भुल्लन निषाद निवासी ग्राम मोहिद्दीनपुर थाना जफराबाद जिला जौनपुर।8. रामनरेश पुत्र मनीराम चौधरी निवासी ग्राम चिनचिनी थाना वानगॉव जिला पालघर महाराष्ट्र। पंजीकृत अभियोग– 1.मु0अ0सं0–86/22 धारा–379 भादवि थाना जफराबाद जौनपुर। 2.मु0अ0सं0–90/2022 धारा–379,411,413,419 420, ६८ भादवि थाना जफराबाद जौनपुर। 3.मु0अ0सं0–91/2022 धारा–3/25 आर्म्स एक्ट भादवि थाना जफराबाद जौनपुर। 4. मु0अ0सं0–199/22 धारा–379 भादवि थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर। 5.मु0अ0सं0–188/22 धारा–379 भादवि थाना केराकत जनपद जौनपुर। 6. मु0अ0सं0–91/22 धारा–379 भादवि थाना चन्दवक जनपद जौनपुर। 7.मु0अ0सं0–152/22 धारा–379 भादवि थाना जलालपुर जनपद जौनपुर। 8. मु0अ0सं0–221/21 धारा–380 भादवि थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर। 9. मु0अ0सं0–234/21 धारा–379 भादवि थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर। बरामदगी का विवरण– 1.मोबाइल टावर की 28 बैट्री भ्तस् कम्पनी, 1 अवैध तमंचा 315 बोर मय 2 जिन्दा कारतूस। 15,000 रूपया नगद , एक मोबाइल ,एक स्कार्पियो काली रंग। गिरफ्तारी/ बरामदगी करने वाली पुलिस टीम– 1.उ0नि0 श्री राजाराम द्विवेदी,थानाध्यक्ष जफराबाद जौनपुर। 2.उ0नि0 श्री आदेश कुमार त्यागी, स्वाट प्रभारी जौनपुर। 3.उ0नि0 श्री रामजनम यादव प्रभारी सर्विलांस जौनपुर। 4. उ0नि0 श्री गोविन्द देव मिश्रा सर्विलांस जौनपुर। 5.उ0नि0 श्री रामजी सैनी, हे0का0 राजेश सिंह सेंगर, का0 शेरबहादुर, का0 अरूण कुमार, का0 सौरभ मिश्रा, का0 परवेज अहमद थाना जफराबाद जौनपुर। 6.हे0का0 संदीप कुमार सिंह, हे0का0 अमित कुमार राय, हे0का0 गोविन्द तिवारी, का0 अजय कुमार, का0 सत्यप्रकाश राय स्वाट टीम जनपद जौनपुर। 7. का0 अमित सिंह, का0 पवन कुमार, का0 विनीत सिंह, का0 आलोक सिंह, सर्विलांस सेल जनपद जौनपुर।

विश्व हिन्दू परिषद के परिषद शिक्षा वर्ग का हुआ शुभारंभ

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : विश्व हिन्दू परिषद के दस दिवसीय परिषद शिक्षा वर्ग का उद्घाटन आज विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव माननीय चंपत राय जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उद्घाटन सत्र में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अभ्यास वर्ग एक तपस्या है, कार्यकर्ता 10 दिन तक लगातार एक तपस्वी की भांति इस वर्ग में रहेंगे, घर में तमाम सुख–सुविधाओं को त्याग कर यहां कठिनाइयों में भी आनंद का अनुभव करते हुए यहां बताए गए कार्य पद्धति को सीखेंगे उन्होंने कहा कि आप सब

कार्यकर्ता इस वर्ग में आत्मीयता व निष्ठा से सम्मिलित हों। माननीय चंपत राय जी द्वितीय सत्र में कार्यकर्ताओं को विश्व हिंदू परिषद की स्थापना, उसका उद्देश्य और अब तक की उपलब्धियों के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना 1964 में मुंबई के पवई नामक स्थान पर श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन सांदीपनि साधनालय में हुआ था । स्थापना के समय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक परम पूजनीय गुरु जी, हिंदुस्तान समाचार के दादा साहब आप्टे, समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले संत महात्मा, विचारक विद्वान साहित्यकार, स्थापना के समय में उपस्थित रहे। विश्व हिंदू परिषद की स्थापना का 58 वां वर्ष से चल रहा है, इन 58 वर्षों में विश्व हिंदू परिषद ने समाज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सर्वव्यापी सर्वस्पर्शी कार्य खड़ा किया है, जैसे कि सवा लाख गांवो में सेवा कार्य, लाखों गोवंश की रक्षा, श्री राम जन्मभूमि आंदोलन, अमरनाथ साइन बोर्ड, और रामसेतु के आंदोलन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के बाद आज भी विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता हर क्षेत्र में समर्पित भाव से लगे हुए हैं। उक्त अवसर पर क्षेत्र संगठन मंत्री गजेन्द्र जी, क्षेत्र सत्संग प्रमुख दिवाकर जी, काशी प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री मुकेश जी, प्रांत मंत्री आनन्द जी, प्रांत सह मंत्री कृष्ण गोपाल जी, गोरक्ष प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री परमेश्वर जी, विभाग अध्यक्ष उदय राज सिंह, जिलाध्यक्ष डॉ राकेश चंद्र दुबे, जिला उपाध्यक्ष कृष्णानंद उपाध्याय, साधु तिवारी, जिला मंत्री जन्मेजय तिवारी, जिला सह मंत्री डॉ आशीष मिश्र, कमलापति तिवारी, जिला संयोजक विजय सिंह, जिला कार्यसमिति उमेश शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी गंगेश चौबे इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

एक जिला एक खेल के अंतर्गत एथलेटिक्स का प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

जौनपुर सू.वि. : भारतीय खेल प्राधिकरण (साईं) द्वारा संचालित खेलो इंडिया '' एक जिला एक खेल '' योजना के अंतर्गत प्रदेश के समस्त जनपदों में संचालित होने वाले खेलो इंडिया सेंटर के संचालन के क्रम में जनपद जौनपुर के इंदिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में एथलेटिक्स सेंटर हेतु जिसमें 15 बालक व 15 बालिका कुल 30 खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है। इच्छुक खिलाड़ी या अभिभावक कृष्ण कुमार यादव के मो0नं0 8840918686 अंशकालिक मानदेय एथलेटिक्स प्रशिक्षक से इंदिरा गांधी स्टेडियम में संपर्क कर रु० 10 का शुल्क जमा कर प्रवेश फार्म एवं जैविक प्रमाण पत्र का प्रारूप प्राप्त कर सकते हैं। खिलाड़ियों का चयन/ट्रायल 14 जून 2022 को प्रातः 7.00 बजे इंदिरा गांधी स्टेडियम सिद्धीकपुर में किया जाएगा। इस चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की आयु 31 जुलाई 2022 को 14 वर्ष एवं 11 वर्ष पूर्ण कर रहे हो, वही खिलाड़ी भाग लेने के पात्र होंगे। यह योजना उत्तर प्रदेश सरकार एवं खेलो इंडिया के समन्वय से संचालित की जाएगी। इस चयन/ट्रायल उपरांत चयनित बालक /बालिकाओं खिलाड़ियों का ही शिविर संचालित किया जाएगा। चयनित एथलेटिक्स खिलाड़ियों को प्रतिवर्ष रु० 3000 का खेल किट प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों की आयु इस उद्देश्य निर्धारित की गई है ताकि शिविर के एथलेटिक्स खिलाड़ी अगले वर्ष के स्पोर्ट्स कालेज एवं स्पोर्ट्स हॉस्टल के चयन/ट्रायल्स में प्रतिभाग कर चयनित हो सके।

''रोजगार मेले'' में 42 का कैम्पस सेलेक्शन

जौनपुर सू.वि. : जिला सेवायोजन कार्यालय में निजी नियोजकों के सहयोग से 06 जून 2022 को प्रातः 10 बजे 'रोजगार मेला' का आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालय कैम्पस जौनपुर में किया गया, जिसमें निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियॉ ब्राईटफ्यूचर आग्रेनिक हर्बल्स एवं आयुर्वेद प्रा0लि0, एस0बी0आई0लाईफ, भारतीय जीवन बीमा निगम शामिल हुई। मेले में प्रतिभागी अभ्यर्थियों की संख्या 101 रहीं, नियोजकों के द्वारा कुल 42 बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न पदों पर किया गया। जिला सेवायोजन अधिकारी ने जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों को बताया गया कि सेवायोजन कार्यालय में 'कैम्पस सलेक्शन' प्रत्येक सोमवार किया जायेगा, सोमवार को अवकाश होने पर यहा अगले कार्य दिवस पर आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेला प्रभारी श्री शिवकुमार यादव, रामसिंह मौर्य, जीशान अली, श्रीमती हसन फात्मा, आनन्द भूषण त्रिपाठी, अजय कुमार, चन्द्रशेखर प्रताप आदि उपस्थित रहें।

प्रज्जवल वैश्य ने अपने जन्मदिन पर गौशाला में गौसेवा करके अपना जन्मदिन मनाया

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : भारत विकास परिषद् के पूर्व अध्यक्ष व राष्ट्रीय हिंदू भगवा वाहिनी के प्रान्तीय मीडिया प्रभारी विक्रम कुमार गुप्त के पुत्र प्रज्जवल वैश्य ने अपने जन्मदिन पर गौशाला में गौसेवा करके अपना जन्मदिन मनाया। प्रज्जवल ने अपने गुल्लक के पैसे से आज 3 कुंतल तरबूज गौशाला में भेंटकर अपने जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाया।उन्होंने बताया कि पापा के सामाजिक सेवा कार्य को हमेशा करते हुए देखता रहता हूं। जिससे मुझे हमेशा प्रेरणा मिलता है।पापा ने जब बताया कि मुझे अपने जन्मदिन को गौसेवा करके मनाना है, मुझे बहुत खुशी हुआ। इस मौके पर पवन प्रान्त संयोजक हिंदू परिषद राष्ट्रीय गौरक्षा आंदोलन समिति, प्रमिला महिला जिला उपाध्यक्ष, भृगुनाथ पाठक जिला संयोजक

गंगा समग्र,सलोनी अग्रहरि, विनायक गुप्ता,श्री गुप्ता,गुरूप्रीत कौर,अंश,सत्यम,शिवानी, विपुल,राघव आदि उपस्थित रहे।

बीएसए ने शिक्षकों के सहयोग से शुरु किया भूसा दान अभियान : गोशाला में शिक्षको ने 15 क्विंटल भूसा किया दान

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिला प्रशासन की पहल पर चलाए जा रहे भूसा दान महादान अभियान के तहत सोमवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल ने परिषदीय विद्यालय के शिक्षको के सहयोग से चांदपुर गोशाला में आज 15 क्विंटल भूसा दान किया। ब्लाक के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षको द्वारा सहयोग किये गये विभिन्न स्थानों से एकत्रित भूसा को ग्राम प्रधान द्वारा ट्रैक्टर पर लादकर शिक्षक चॉदपुर स्थित गोशाला पर पहुंचे। विभिन्न गांवो से एकत्रित 15 क्विंटल भूसा बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल, खंड शिक्षा अधिकारी आनंद प्रकाश सिंह ने चांदपुर गोशाला पर उपस्थित होकर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह और पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुशील कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में भूसा केयर टेकर को सौंपा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि शासन के मंशानुसार आज भूसा दान अभियान चांदपुर सिकरारा से शुरु किया गया है मै प्रत्येक दिन स्वयं उपस्थित भूसा अपने शिक्षकों से भूसा दान की अपील करूंगा जिससे किसी पशुशाला मे भूसा की कोई कमी ना हो। भूसा दान देने वालो में प्रमुख रूप से सुशील कुमार उपाध्याय, प्रमोद सिंह, हरिश्चंद्र

विश्वकर्मा, राजेश यादव, शिवकांत सिंह अपने साधन से भूसा दान दिया। प्रशासन से शिक्षको का भूसा गोशाला तक पहुंचाने का अनुरोध किया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि शिक्षकों द्वारा स्वेक्षा से बिना किसी दबाव के दान देने की अपील की जिससे गौशाला में भूसा की कमी न पड़े। खंड शिक्षा अधिकारी आनंद प्रकाश सिंह ने बताया कि शीघ्र ही शिक्षकों के सहयोग से विशुनपुर और पोखरियापुर केंद्र को 100 कुंतल भूसा उपलब्ध करा दिया जायेगा। इस अवसर पर एआरपी शैलेश चतुर्वेदी, राजेंद्र प्रताप, संतोष सिंह गोली, श्री प्रकाश मिश्र हरीश चंद राजेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

ग्रामीण व नगरीय निकायों में जन्म मृत्यु पंजीकरण की हो समुचित व्यवस्था – उप महानिदेशक

जौनपुर सू.वि. : उप महानिदेशक भारत सरकार मनोज कुमार द्वारा नगरपालिका परिषद तथा जिला अस्पताल जौनपुर का निरीक्षण व कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। कार्यालय नगरपालिका परिषद के निरीक्षण में अधिशासी अधिकारी और जिला चिकित्सालय में नोडल अधिकारी जन्म–मृत्यु ने संबन्धित आंकड़े एवं अभिलेखों का अवलोकन कराया। बैठक में उप महानिदेशक ने अवगत कराया कि भारत सरकार के निर्देश के अनुक्रम में पूरे प्रदेश में जन्म–मृत्यु पंजीकरण का कार्य 01 फरवरी 2020 से भारत के महा रजिस्ट्रार द्वारा उपलब्ध कराये गए सीआरएस पोर्टल पर ही किया जाना है अन्य किसी पोर्टल अथवा मुद्रित प्रारूप पर प्रमाणपत्र जारी नहीं किये जाने हैं। उस तिथि के जन्म और मृत्यु का पंजीकरण राज्य सरकार के अन्य पोर्टलो पर भी किया जाता था। उप महानिदेशक ने बताया कि जन्म–मृत्यु के शत प्रतिशत पंजीयन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। उक्त कार्य से जुड़े हुए सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी ग्रामीण इकाइयों एवं नगर निकायों तथा स्वास्थ्य केंद्रों पर जन्म और मृत्यु का पंजीकरण कार्य करने की समुचित व्यवस्था किया जाए। अधिकारियों द्वारा इसकी नियमित समीक्षा की जाए। ग्रामीण एवं नगरी इकाइयां जहां पर पंजीकरण सुचारू ढंग से नहीं हो रहा है अथवा उनके यहां पंजीकरण का दर बहुत कम है उनका पहचान कर सीएमओ और डीपीआरओ इसकी समीक्षा करें और आवश्यकतानुसार समुचित कार्रवाई करें। आम जनता को पंजीकरण के संबंध में जागरूक करने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया बहुत सरल है अतः यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रमाण पत्र निर्गत करने में कोई विलंब न हो और आम नागरिक को प्राप्त करने में कोई असुविधा न हो। चिकित्सालय, नगर निकायों तथा ग्राम पंचायतों के कार्यालयों में जहां पर जन्म–मृत्यु रजिस्ट्रीकरण होता हो वहां पर का स्पष्ट साइन बोर्ड/वॉल पेंटिंग करवाएं। रजिस्ट्रेशन के लिए आवश्यक जो भी डॉक्यूमेंट लगते हैं उसका उल्लेख भी करें। निजी चिकित्सा संस्थानो में घटित जन्म एवं मृत्यु की शत–प्रतिशत सूचना स्थानीय रजिस्ट्रार कार्यालय में उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया जाये। अभिलेखों की संपूर्णता एवं शुद्धता सुनिश्चित करते हुये जन्म–मृत्यु का शत–प्रतिशत पंजीकरण करने तथा 21 दिन के अंदर संबन्धित को प्रमाण पत्र निःशुल्क उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। इसी प्रकार मृतक व्यक्ति से संबन्धित मृत्यु के कारणो को भलीभांति दर्शाने पर बल दिया। उत्तर प्रदेश शासन की अधिसूचना के अनुसार ए.एन.एम./आशा/आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/सफाई कर्मचारी जन्म–मृत्यु पंजीकरण कार्य के लिए अधिसुचक (Notifier) के रूप में नियुक्त किये गए हैं अतः यह इन कर्मचारियों का दायित्व है कि उनकी क्षेत्र में होने वाले जन्म एवं मृत्यु की प्रत्येक घटना की सूचना सम्बंधित रजिस्ट्रार को प्रदान करें। उन्होंने जिलाधिकारी से अपेक्षा कि इस आशय का उपरोक्त का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु सभी संबंधित को कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश जारी किया जाए। जनपद के समस्त पंजीयन इकाइयों के रजिस्ट्रार (जन्म–मृत्यु) की सूची (क्षेत्र/रजिस्ट्रार का नाम/पदनाम/मोबाइल नंबर/पंजीयन इकाई का पता आदि विवरण के साथ) अपने जनपद की एनआईसी वेबसाइट पर भी प्रदर्शित करवाएं, जिससे सामान्य जनता इस सुविधा का लाभ उठा सके। इसी प्रकार मृतक व्यक्ति से संबन्धित मृत्यु के कारणो को भली भांति दर्शाने पर बल दिया। इस अवसर पर ने ग्रामीण व नगरी निकायों एव सभी स्वास्थ्य केंद्रों से संबंधित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जन्म – मृत्यु से संबंधित पंजीयन शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। इस कार्य में लापरवाही व शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सीएमओ और डीपीआरओ को समीक्षा बैठक में सभी ग्रामीण तथा नगरी इकाई पंजिका इकाई के जन्म और मृत्यु पंजीकरण की रिपोर्ट के साथ प्रतिभाग सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उपनिदेशक जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ डा0 एस एस शर्मा, अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व रामप्रकाश, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी आर.डी यादव नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी, जन्म पंजिका के नोडल अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गौरीपुर मीतली गांव में स्थित है बाबा मोहन दास का चमत्कारी धाम

बागपत पत्रकार विवेक जैन। बागपत जनपद के गौरीपुर मीतली गांव में स्थित बाबा मोहन दास के चमत्कारी दिव्य धाम में हर वर्ष हजारों की संख्या में लोग दर्शनों के लिए आते है और भगवान की पूजा अर्चना करते है। गांव के पूर्व प्रधान वीरेन्द्र सिंह बताते है कि लगभग 350 वर्ष पूर्व बाबा मोहन दास ने त्रिवृक्षों के नीचे कठिन तप किया था। उनके तपोबल से यह धरती बड़ी दिव्य हो गयी। बाबा की तपस्या पूर्ण होने के उपरान्त वह यहॉ से विहार कर गये। इस स्थान पर चमत्कार होने लगे और इस स्थान की ख्याति दूर–दराज क्षेत्रों तक फैल गयी और श्रद्धालुगण इस स्थान के दर्शनों के लिए आने लगे और मनन्त मॉगने लगे। जिस समय बाबा ने तप किया उस समय इस स्थान पर विशाल जंगल था और गांव मीतली के ग्रामवासी इस स्थान पर खेती किया करते थे। गांव के ठाकुर तरस पाल सिंह ने बताया कि बाबा मोहन दास के जाने के बाद इस दिव्य भूमि पर अनेकों सिद्ध साधु–संतो ने तपस्या की और इस दिव्य भूमि को अपनी कर्म स्थली बनाया। चबूतरे वाले बाबा इन्ही सिद्ध साधु–संतो में से एक है। डाक्टर कर्णवीर सिंह ने बताया कि बाबा ने जिन तीन वृक्षों के नीचे बैठ कर तपस्या की वह नीम, पीपल और बरना का पेड़ है। इन पेड़ों की खास बात ये है कि ये तीनों पेड़ एक ही स्थान से निकले है और वर्तमान ने इन पेड़ के मुख्य तनों का जो व्यास आप देखते है सैकड़ों वर्षो से इतना ही है। इन तनो के व्यास में कोई भी विस्तार नही हुआ है जो कि अद्भभुत और अकल्पनीय है। बताया जाता है कि मीतली गांव के किसान एक दिन आज के वर्तमान

गौरीपुर मीतली गांव के आस–पास स्थित अपने खेतों में खेती कर रहे थे उस समय माँ गौरी ने उनको दर्शन दिये और इस धरा की दिव्यता से अवगत कराया और इस स्थान पर स्वयं के आवागमन का वचन दिया। इसके उपरान्त मीतली गांव के वे किसान जिनकी भूमि वर्तमान गौरीपुर मीतली गांव के आस–पास थी, धीरे–धीरे इस स्थान पर आकर बस गये और इस गांव को गौरीपुर मीतली के नाम से जाना जाने लगा। गांव के ग्राम प्रधान छेदा सिंह, जीत सिंह, जयपाल सिंह आदि ने बताया कि बाबा मोहन दास की कृपा से गांव खुशहाल है और लोगों के दुख–सुख में गांव का हर व्यक्ति एक परिवार के सदस्य की तरह एक–दूसरे का साथ देता है।

अयोध्या में निजी अस्पतालों पर चला स्वास्थ्य विभाग का शिकंजा : पार्किंग नहीं तो लाइसेंस होगा निरस्त

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) शहर में अतिक्रमण और जाम को लेकर चल रहे जिला प्रशासन के अभियान के साथ –साथ अब स्वास्थ्य विभाग भी निजी अस्पतालों और पैथोलॉजी पर शिकंजा कसने की तैयारी में जुट गया है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने सर्वे की तैयारी शुरू कर दी है। बिना पार्किंग के संचालित हो रहे अस्पतालों और पैथोलॉजी को चिह्नित करने के बाद उनका लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा।स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी के मुताबिक सर्वे का काम जनपद में 22 दिन तक चलेगा।स्वास्थ्य विभाग ने यह कदम जन शिकायतों के आधार पर उठाया है।विभाग का कहना है कि लगातार इस बात की शिकायत मिल रही थी कि अधिकतर निजी अस्पताल निर्धारित मानकों को नहीं पूरा कर रहे हैं।विभाग की ओर से शुरू किए जाने वाले सर्वे के तहत अस्पतालों और पैथोलॉजी के लिए निर्धारित मानकों की भी पड़ताल करायेगा, जिसमें बायोमेडिकल वेस्ट, संसाधन और सुरक्षा के साथ साथ हाइजीन सिस्टम को भी देखा जायेगा।विभाग द्वारा पहले ऐसे हास्पिटलों व पैथोलॉजी को चिह्नित किया जाएगा।इसके बाद पार्किंग और अन्य निर्धारित मानकों की व्यवस्था नहीं करने पर उसका लाइसेंस निरस्त करेगा।इसके लिए टीम का गठन किया है।टीम सर्वे करना शुरू कर दिया है।बताया जाता है जिले में करीब 160 हास्पिटल, अल्ट्रासाउंड और पैथॉलोजी सेंटर पंजीकृत हैं,लेकिन इनमें से विशेषकर अधिकांश हास्पिटल लाइसेंस के मानक को पूरा नहीं कर रहे हैं। खासकर कहीं भी वाहन पार्किंग सुविधा अनिवार्य होने के बावजूद वहां पर गाड़ी खड़ा करने की जगह नहीं है।ऐसे में अस्पताल पहुंचने वाले तीमारदार अपना वाहन सड़क पर खड़ा कर मरीज को लेकर ओपीडी में पहुंच रहे हैं, जिसके चलते अस्पतालों के बाहर आधी सड़क तक वाहनों का रेला खड़ा रहता है।इन्हीं शिकायतों पर स्वास्थ्य प्रशासन बिना पार्किंग के संचालित हास्पिटलों को चिह्नित कर रहा है। टीम के रिपोर्ट पर हास्पिटल संचालक के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जिसके तहत उनका लाइसेंस निरस्त्रीकरण और जुमार्ना भी शामिल किया गया है।निजी अस्पतालों के कराये जाने वाले सर्वे में स्वास्थ्य विभाग अयोध्या विकास

प्राधिकरण की भी मदद लेगा। सर्वे पूरा होने के बाद सूची प्राधिकरण को भेजी जायेगी। प्राधिकरण को बताना होगा कि संबंधित अस्पताल ने अपने नक्शे में पार्किंग की स्वीकृति ली है अथवा नहीं। इस संबंध में सीएमओ की ओर से प्राधिकरण को पत्र भी भेजा गया है, जिसमें विभाग की ओर से कराए जा रहे सर्वे का उल्लेख करते हुए सहयोग की अपेक्षा की है।वही पार्किंग के अतिरिक्त सर्वे में अस्पतालों में निर्धारित मानकों का भी चिह्नकरण किया जाएगा, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण बायोमेडिकल वेस्ट और आंतरिक सुविधाएं शामिल हैं। मरीजों के तीमारदारों के बैठने, वार्डों में इंतजाम, आईसीयू के मानक आदि शामिल किए गए हैं। इसी तरह पैथोलॉजी में भी मानकों की पड़ताल होगी। यह भी देखा जायेगा कि अस्पताल के पास प्रशिक्षित स्टाफ है या नहीं।वही स्वास्थ्य विभाग इस सर्वे को आगामी बीस दिनों में पूरा करने की तैयारी में है। इसके लिए आठ टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम में चार सदस्य रहेंगे, जिनमें एक मुख्य अधिकारी और तीन कर्मी रहेंगे। इनमें एक टेक्नीकल जानकार भी शामिल किया गया है।इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर अजय राजा ने बताया कि निजी अस्पताल में 24 घंटे मरीजों का आना–जाना रहता है।ऐसे में वाहन पार्किंग की व्यवस्था अनिवार्य है।बिना पार्किंग के हास्पिटल का पंजीकरण नहीं होता है।यदि बिना पार्किंग वाले हास्पिटल संचालकों ने तथ्यों को छिपाकर लाइसेंस जारी कराया है तो टीम की रिपोर्ट पर संबंधित हास्पिटल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हरिद्वार से झारखंड जा रही प्राइवेट बस खड़ी बस से टकराई : बीस यात्री घायल

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या में मंगलवार की भोर में यात्रियों से भरी प्राइवेट बस खड़ी बस से टकरा गई।सूत्र के मुताबिक इस हादसे में 20 यात्री घायल हो गए हैं।जिन्हें जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया सदन है।जो हरिद्वार से झारखंड जा रही थी।इस हादसा थाना कैंट क्षेत्र के त्रिमूर्ति होटल के पास हाईवे पर हुआ।सभी घायल यात्री झारखंड के कोडरमा जिले के रहने वाले हैं। सूत्र के मुताबिक घायलों में कुंजो देवी (50 साल), पार्वती देवी (90 साल), शकुंतला देवी (26 साल), भगवती देवी (60 साल), प्रभु राम (50 साल), महेश्वरी सिंह (70 साल), गिरजा देवी (69 साल), बीसनी देवी (81 साल), कौशल्या देवी (55 साल), सुधीर कुमार शर्मा (62 साल), हुरसी देवी (60 साल), चंद्रिका महतो (75 साल), जीरवा देवी (65 साल), गौरा देवी (76

साल), तारो देवी (60 साल), प्रदीप कुमार (40 साल), बसंती देवी (65 साल), बद्री पंडित (73 साल), गंगू ठाकुर (73 साल) और कातेश्वरी देवी (65 साल) हैं।वही इन घायलों का प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सीबीएन सिंह और डॉ. आशीष पाठक इलाज कर रहे हैं।

चौकी प्रभारी और पुलिस कर्मियों पर बर्बरता पूर्वक पिटाई के आरोप के मामले में सीओ ने दिया जांच कराने का दिया आश्वासन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिले के चौरेबाजार पुलिस चौकी के प्रभारी राहुल पांडेय एवं पुलिस कर्मियों द्वारा पिता और नाबालिग पुत्र तथा पुत्री की पिटाई करने आरोप लगाया।पीड़ित द्वारा आरोप लगाया गया कि चौरे बाजार पुलिस चौकी प्रभारी राहुल पांडेय और पुलिसकर्मियों द्वारा पुलिस चौकी में डंडे और पट्टे से मार पीट किया था।इस मारपीट में जख्मी पीड़ित विजय कुमार निषाद के शरीर और नाजुक अंगों पर पर गहरे जख्म के निशान दिखे।आरोप के मुताबिक दो भाइयों में कहासुनी के बाद पीड़ित को पकड़कर पुलिस पुलिस चौकी लाई थी।पीड़ित द्वारा पुलिस चौकी प्रभारी पर 10000 रुपए लेने का भी आरोप लगाया गया है।वही रविवार को पीड़ित द्वारा आईजी से शिकायत किया।इस घटना को लेकर निषाद समुदाय के लोगों द्वारा रविवार शाम को पिपरी जलालपुर में इकट्ठा होकर आक्रोश जताया गया।वही आरोपियों के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज किए जाने की मांग की गई। इस मौके पर पहुंचे पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह द्वारा मामले की जांच करके दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया।उधर इधर इस संबंध में चौरे बाजार चौकी प्रभारी राहुल पांडेय का कहना है कि उस दिन हम 164 का बयान कराने एक

महिला को लेकर न्यायालय फैजाबाद गया था।इनका शांति भंग धारा 151 चालान करके सिपाहियों को उप जिलाधिकारी के न्यायालय ले जाने की बात कह कर के हम न्यायालय अयोध्या चले गए थे।हमको इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

कुक्कुट विकास समिति की बैठक : कुक्कुट उधोग बचाने की अपील–असद रजा

अयोध्या ब्यूरो : अंडा उत्तपादक किसानों की एक बैठक रौनाही पम्प कैनाल पम्पिंग स्टेशन ढेमवा रोड सोहावल में सम्पन्न हुई। बैठक मे जनपद अयोध्या और अंबेडकरनगर के पौल्ट्री उद्दमियों ने भाग लिया। सम्मेलन का शुभारंभ कुककुट विकास समिति के अध्यक्ष वी पी सिंह के संक्षिप्त संबोधन से प्रारंभ हुआ। इसमें सभी कुककुट उद्यमियों के परिचय के बाद अग्रिम कार्यवाही समिति द्वारा तय एजेण्डे के अनुसार प्रारंभ हुई। अतः समस्त पोल्ट्री किसानों ने सरकार से तुरंत हस्तछेप करने को अनुरोध किया। आये हुए पोल्ट्री अंडा उत्पादक किसानों का सबसे बड़ा दर्द अंडे के रेट को लेकर है कि उनके द्वारा उत्तपादित अंडे की कीमत (वेंकीस इंडिया) एनईसीसी एवम इनकी समितियों द्वारा बिना लागत को निर्धारित किए मनमाने तरीके से किया जाता है। जबकि अंडे की लागत मूल्य ६5 से अधिक आती है और किसानों को यही अंडा एनईसीसी द्वारा निर्धारित मूल्य पे बेचना पड़ता है, जो कि लागत मूल्य से बहुत कम होता है, जिससे किसानों को लगातार प्रति अंडे पे 1.5 – 2 ६ का नुकसान उठाना पड़ता है।उपभोक्ताओ को यही अंडा ६7 और ६8मे मिलता है। ''माँग एवम आपूर्ति'' का जो बहाना बताया जाता है वह झूठा प्रोपोगन्डा है। गर्मियों में भी प्रदेश अपने उत्तपादन से पूर्ति नही कर पा रहा है। ऐसे में अंडे का रेट गिरा कर सस्ते में खरीदना और मंहगे मे बेचना यह एनईसीसी का धँधा है। इससे सरकारी योजना से संचालित 30: पोल्ट्री फार्म बंद हो गये है ,तथा योजना के लिए विभाग द्वारा दी गई करोड़ो रू० की सब्सिडी बेकार हो रही है। इसके लिए पोल्ट्री किसानों ने वेंकीस ग्रूप का बायकाट का पूर्ण निर्णय लिया। इस मीटिंग में वसीउल हसन, , फैजान अंसारी, सैफ अहमद ,, सद्दाम हुसैन,गुफरान खान,रवि जीवानी,विक्रम सिंह पटेल ,राशिद जमील,वाशे खान,सय्यद तैयब , राजेश सिंह ,पिंकु सिंह ,अहरार खान,आसिफ प्रधान,फरमान खान,अतीक खान बबलू आदि शामिल थे। बैठक में जिला स्तरीय कमेटी का भी गठन हुआ, जिसमे सर्वसहमति से अयोध्या का जिला अध्यक्ष सैफ खान को चुना गया।

रामीण क्षेत्रों को नही मिल रही 18 घंटे विद्युत आपूर्ति

अयोध्या ब्यूरो : भीषण गर्मी के चलते लोग परेशान हाल है जिनको घरों में बैठना चाहिए था आज वह गर्मी की तपिश से बचने के लिए पेड़ो की छांव का सहारा ले रहे हैं।इस तपती हुई गर्मी से हर व्यक्ति परेशान हाल है ऊपर से बिजली के आने जाने का समय भी लोगो को राहत नहीं पहुंचा पा रहा है।सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे विद्युत आपूर्ति का आदेश भले ही जारी किया गया हो लेकिन विद्युत विभाग पर इस आदेश का कोई असर नहीं।नही मिल रही ग्रामीणों को 18 घंटे विद्युत आपूर्ति।सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे विद्युत आपूर्ति कराकर कृषि उत्पादन,विद्युत पर आधारित कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने का संकल्प तो व्यक्त किया जा रहा था किंतु हकीकत कुछ और है। इस तपती गर्मी में विद्युत कटौती से लोग परेशान हाल है।वहीं विद्युत से चलने वाले नलकूपो पर भी बड़ा असर पड़ा है।किसानों के लिए यह नलकूप वरदान साबित होना था लेकिन नही।पर्याप्त बिजली न मिलने से किसानों की फसले भी सूखने लगी है जहां एक ओर डीजल काफी महंगा है लोगो को थोड़ी राहत थी कि विद्युत चालित नलकुपो से उनके खेतो में हरियाली दिखेगी लेकिन विद्युत कटौती से उन पर भी बड़ा असर पड़ रहा है।बिजली कटौती किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गई है।जब एक किसान से बात की गई तो उसने बताया कि विद्युत नलकूप से 1 बीघा खेत को भरने में पूरा का पूरा दिन लग जाता है क्यों कि बिजली आधा घंटे आई और चली गई तो खेतो में लगा पानी सुख जाता है जब दोबारा बिजली आई तो फिर से उसी खेत को भरने में दिन निकल जाता है।इसका मुख्य कारण पर्याप्त बिजली न मिल पाना।एक बार फिर किसान महंगे डीजल के सहारे अपने खेतो को पानी पहुंचा कर फसलों को हरा भरा रखने की कोशिश कर रहा है।अब सवाल यह है कि आखिर कब पटरी पर आएगी विद्युत व्यवस्था?क्या किसानों को यूंही आस में रहना पड़ेगा?क्या लोगों को तपिश भरी गर्मी से राहत नही मिलेगी?इस संबंध में जब अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने भी मेन सप्लाई के न आने का हवाला देकर पल्ला झाड़ लिया।अब सवाल यह है कि आखिर कब सुधरेगी विद्युत व्यवस्था?

आदित्य ठाकरे 15 जून को करेंगे रामलला के दर्शन : संजय राउत बोले शक्ति प्रदर्शन का नहीं कोई इरादा

अयोध्या ब्यूरो : महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे के बेटे और राज्य के पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे 15 जून को अयोध्या आकर रामलला का दर्शन करेंगे। इससे पहले शिवसेना के सांसद संजय राउत ने अयोध्या आकर तैयारियों का खाका खींचा और श्रीरामलला का दर्शन किया। उन्होंने कहा महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे दो बार अयोध्या आकर रामलला का दर्शन कर चुके हैं। अयोध्या में आने से हम सब को एक ऊर्जा मिलती है। यह ऊर्जा लेकर हम महाराष्ट्र में जाते हैं। उन्होंने कहा आदित्य ठाकरे रामलला का दर्शन करेंगे और सरयू की आरती में शामिल होंगे। यह पूरी तरह से धार्मिक कार्यक्रम है। किसी भी प्रकार का शक्ति प्रदर्शन करने का इरादा नहीं है। उन्होंने कई मुद्दों को लेकर सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि उत्तर भारतीयों का समर्थन किया और कहा शिवसेना में ज्यादा से ज्यादा पदाधिकारी उत्तर भारतीय हैं। उन्होंने कहा बृजभूषण शरण सिंह किसी के दबाव में आने वाले नेता नहीं है। उनका अपना नेतृत्व है वह नेताजी है। उनका माहौल बनाने का तरीका है वह पहलवान आदमी है। उन्होंने कहा बृजभूषण शरण सिंह से उनकी मित्रता है इसलिए वह उन्हें करीब से जानते हैं। राज ठाकरे के विरोध को लेकर शिवसेना व बृजभूषण शरण सिंह के डील के सवाल पर भड़कते हुए उन्होंने कहा क्या डील हो सकती है? जो बात बृजभूषण शरण सिंह ने उठाई क्या उससे कोई सहमत नहीं है। अयोध्या में राज ठाकरे का विरोध जायज मानते हैं। कश्मीरी पंडितों का महाराष्ट्र में स्वागत है और होगी पूरी हिफाजत, वहीं संजय राऊत ने कहा कश्मीरी पंडित अगर वहां से विस्थापित हो रहे हैं और महाराष्ट्र में बसना चाहते हैं तो हम उनकी पूरी हिफाजत करेंगे। उनकी सारी मदद महाराष्ट्र करने को तैयार है। उन्होंने कहा यह बात अगर बीजेपी का कोई नेता कहता तो आनंद आता। बीजेपी कश्मीर के बारे में केवल राजनीति कर रही है। 3 महीने में 27 कश्मीरी पंडितों की हत्या हुई है, 17 ऐसे पुलिस अधिकारी है जो मुसलमान है। उन्होंने कहा जो राष्ट्र की सुरक्षा के लिए मारे गए हैं देश में उनके बलिदान को याद किया जाएगा। पैगंबर पर दिए गए बयान का मुद्दा उठा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संजय राऊत ने बीजेपी को घेरते हुए कहा कि उनकी भाषा राष्ट्र की एकात्मता की भाषा नहीं है। बीजेपी के प्रवक्ता ने पैगंबर के बारे में जो कहा है उसका समर्थन कोई नहीं करेगा। उन्होंने कहा अब यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठ चुका है और बीजेपी को माफी भी मांगनी पड़ रही है।

सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करके देश में हिटलर शाही कायम करना चाहती है–अरविंद राज स्वरूप

अयोध्या ब्यूरो : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सहायक सचिव अरविंद राज स्वरूप ने आरोप लगाया कि सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करके देश में हिटलर शाही कायम करना चाहती है। श्री स्वरूप होटल अवंतिका में आयोजित पत्रकार वार्ता में यह बात कही । वे पार्टी के जिला सम्मेलन के पर्यवेक्षक के तौर पर जनपद आए थे। शनिवार को संपन्न जिला सम्मेलन के निर्णयों की भी जानकारी उन्होंने दिया। उन्होंने बताया कि भाकपा में उपर से पदाधिकारी बनाने की प्रथा नहीं है। पार्टी में सभी स्तरों पर सम्मेलन के माध्यम से संगठनों का चुनाव होता है। सम्मेलन में हुएं फैसले की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जिला सम्मेलन में इक्कीस सदस्यों की जिला कौंसिल का चुनाव किया गया है, जबकि जिला सचिव पद पर अशोक तिवारी सहायक सचिव शैलेंद्र सिंह के अलावा सात सदस्यों का मंत्रिपरिषद चुना गया है जिसमें अतुल सिंह, सूर्य कांत पाण्डेय, शैलेंद्र सिंह, अशोक तिवारी, राम तीर्थ पाठक, राम जी राम यादव तथा राम अवध यादव सदस्य चुने गए हैं। भाकपा के राज्य सहायक सचिव अरविंद राज स्वरूप ने बताया कि पार्टी का राज्य सम्मेलन आगामी 23,24,25 सितम्बर को फतेहपुर खागा में आयोजित हैं जिसके प्रतिनिधि सूर्य कांत पाण्डेय, राम तीर्थ पाठक, अशोक तिवारी चुनें गए हैं। उन्होंने प्रदेश , देश की सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि 40 करोड़ लोगों को भोजन देने का दावा करने वालों को देश को इस दशा में पहुंचाने की शर्म नहीं आती है। उन्होंने कहा कि भाकपा बेकारी, मंहगाई, भ्रष्टाचार, अत्याचार तथा शोषण के खिलाफ लड़ाई लडेघी। श्री स्वरूप ने कहा कि समाज को बाटने के लिए साम्प्रदायिक, माहौल सरकार द्वारा बनाया जा रहा है। भाजपा सरकार अंग्रेजों की तर्ज पर देश को तोड़ने वाली हरकत पर उतारू है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी समाज को एक रखने के लिए जनजागरण अभियान चलाकर जनता को जागरूक करेगी। इसके लिए हर स्तर पर विद्यार्थी युवकों को लामबंद किया जाएगा।

शिक्षिका सुप्रिया वर्मा हत्याकांड में शिक्षकों ने दिया ज्ञापन

अयोध्या ब्यूरो : शिक्षिका सुप्रिया वर्मा हत्याकांड में सोमवार को आक्रोशित शिक्षकों ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में 24 घंटे के अंदर हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग की गई है। प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले दिए गए ज्ञापन में हत्यारों की शीघ्र गिरफ्तारी न होने पर आन्दोलन की चेतावनी दी गई है। ज्ञापन में शिक्षक सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय पर हुए प्राण घातक हमले के आरोपी की भी गिरफ्तारी की मांग की गई है। शिक्षक नेता विश्वनाथ सिंह ने कहा कि शिक्षिका हत्याकांड में जो भी लिप्त हो तत्काल गिरफ्तारी हो और कठोर से कठोर सजा मिले। प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ संजय सिंह ने भी घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि शिक्षिका की हत्या व शिक्षक पर हमले मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक आन्दोलन होगा।

जनपद में आसमान से बरसा आग : 44 °C पहुंचा शहर का तापमान

अयोध्या ब्यूरो : जिले में सोमवार को एक बार फिर भीषण गर्मी से लोग बेहाल दिखाई दिए। दोपहर होते ही शहर का तापमान 44 °C के पार पहुंच गया। आसमान से बरसती आग और उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। रात के तापमान में रविवार के मुकाबले 5°C तापमान में वृद्धि देखने को मिली। मौसम विभाग का दावा है कि अभी कुछ दिनों तक यह स्थित बनी रहेगी। बारिश के आसार नहीं है। सोमवार सुबह से ही सूर्य की किरणें आग बरसाना शुरू कर दिया। बढ़ते दिन के साथ ही पारा में भी इजाफा होता रहा। दोपहर यह आकड़ा 44 °C के पार पहुंच गया। मौसम विभाग के माने तो पिछले पांच साल पहले बाद छह जून का इतनी गर्मी पड़ रही है। बीते चार साल छह जून का शहर का तापमान 40 °C के आसपास रहा। 2017 में छह जून का अयोध्या में 43 °C तापमान दर्ज किया गया। इस बार गर्मी ने रिकार्ड बनाया है। सोमवार को उमस भरी गर्मी और तेज धूप से लोग बेहान नजर आए। पूर्वी हवा के चलते गर्मी में और इजाफा देखने को मिला। राम नगरी में गर्मी के चलते सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा, तो वहीं फैजाबाद शहर की अधिकांश सड़कों पर एक दो आदमी ही दिखाई दे रहे थे। पूरे शहर में गर्मी का लॉकडाउन जैसा लग रहा था।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट का प्रतिनिधिमंडल जिला विद्यालय निरीक्षक

अयोध्या ब्यूरो : उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट का प्रतिनिधिमंडल जिला विद्यालय निरीक्षक अयोध्या से मिला जिसमें मई माह का वेतन प्रक्रिया प्रारंभ करने की बात हुई कार्यवाहक जिला विद्यालय निरीक्षक श्री बसंत कुमार ने प्रतिनिधि मंडल से वार्ता के दौरान कहीं की पूरी संभावना है तदर्थ शिक्षकों का वेतन भी प्राप्त होगा वार्ता के दौरान उन्होंने वेतन प्रभारी श्री मधु प्रिया को बुलाकर निर्देशित किया प्रतिनिधिमंडल में मंडल अध्यक्ष राम अनुज तिवारी इंद्र कुमार दास विनोद मिश्र शुक्ला जी विभिन्न विद्यालयों के वेतन लिपिक थे जिला मंत्री आलोक तिवारी महानगर अध्यक्ष अनूप पांडे ने बताया कि यदि जल्दी ही जनपद के सभी शिक्षकों का वेतन मई माह का नहीं दिया गया तो शिक्षक संघ सीधी कार्यवाही करने के लिए बाध्य होगा जिसका समस्त उत्तरदायित्व जिला विद्यालय निरीक्षक अयोध्या का होगा।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत व्यक्तिगत शौचालय हेतु करें आनलाइन आवेदन–शीतला सिंह

अयोध्या ब्यूरो : जनपद जिला पंचायत राज अधिकारी शीतला सिंह द्वारा बताया गया है कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत व्यक्तिगत शौचालय के अंतर्गत शौचालय विहीन पात्र लाभार्थियों द्वारा शौचालय की मांग डिजिटाइज्ड आनलाइन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से करने की व्यवस्था की गयी है। जिसके माध्यम से शौचालय विहीन पात्र लाभार्थियों को शौचालय उपलब्ध कराने हेतु आनलाइन आवेदन पत्र प्राप्त किये जा सकते हैं। श्री सिंह ने आनलाइन आवेदन हेतु प्रक्रिया को बताते हुये कहा कि शौचालय विहीन पात्र लाभार्थियों द्वारा आनलाइन आवेदन उनके मोबाइल, कम्प्यूटर, लैपटाप, साइबर कैफे/कामन सर्विस सेण्टर आदि के माध्यम से किया जा सकता है। आनलाइन आवेदन हेतु सम्बन्धित पात्र लाभार्थियों द्वारा सर्वप्रथम एस.बी.एम(जी) पोर्टल या वेब लिंक https%//sbm-gov.in/sbmphase2/homenew.aspx पर application form for IHHL पर आनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि सम्बन्धित सिटीजन आवेदक द्वारा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के उपरान्त लागिन आई.डी. व पासवर्ड प्राप्त हो जायेगा। प्राप्त हुये लागिन आई.डी. एवं पासवर्ड का उपयोग कर व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रोत्साहन धनराशि की सहायता हेतु आवेदन जमा किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि इसके साथ–साथ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के पूर्व '(सीआरएसपी/टीएससी/एनबीए अन्तर्गत)' निर्मित कराये गये व्यक्तिगत शौचालयों का आवश्यकतानुसार रेट्रोफिटिंग हेतु पंचायतीराज विभाग की वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन की व्यवस्था भी की गई है।

लोकसभा चुनाव में किए गए अधिवक्ताओं के वादे पीएम ने किए पूरे

अयोध्या ब्यूरो : प्रदेश के अधिवक्ताओं को चुनाव में किए गए वादे को याद दिलाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय को वरिष्ठ सदस्य भाजपाके थिंक टैंक सुनील कुमार श्रीवास्तव ने 3 सूत्रीय मांग पत्र भेज कर सचेत करते हुए इसे पूरा करके भाजपा का साथ अधिवक्ताओं का विश्वास जीतने के लिए प्रेरित किया था। जिस पर पीएमओ कार्यालय ने संलग्न पत्र अधिवक्ताओं के वेलफेयर के लिए उनकी कल्याण निधि बढ़ाकर पांच लाख और उनकी बीमा सुरक्षा कवर की उम्र 70 वर्ष करने के साथ नए अधिवक्ताओं को रजिस्ट्रेशन के 3 साल तक 5000 प्रति वर्ष के हिसाब से लाइब्रेरियन किताबों आदि के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करें की व्यवस्था बजट में करके अधोहस्ताक्षरी को पी एम ओ कार्यालय से लोक सभा चुनाव मे किए गए वादों को पूरा किए जाने की सूचना संलग्न पत्र1जून22 के माध्यम से भेजी है। देश के अधिवक्ताओं ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अधिवक्ताओं के वेलफेयर के लिए किए गए निर्णय की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है।

करणी सेना जिला अध्यक्ष का आह्वाहन कहा अयोध्या की धरती कोई राजनीति का केंद्र नहीं है यहां पर प्रभु श्री राम कण–कण में बसते हैं

अयोध्या ब्यूरो : शिव सेना के संजय रावत के बयान पर दिनेश सिंह बबलू ने कहा अयोध्या की धरती कोई राजनीति का केंद्र नहीं है यहां पर प्रभु श्री राम कण–कण में बसते हैं कानपुर हिस्सा एक सुनियोजित साजिश के तहत की गई दिनेश सिंह ने कहा अयोध्या में राज ठाकरे जी का कोई विरोध नहीं है अयोध्या की धरती सभी का सम्मान करती हैं यदि 15 जून को आदित्य ठाकरे अयोध्या में दर्शन करेंगे तो आने वाले समय में राज ठाकरे जी भी अयोध्या में दर्शन करेंगे राज ठाकरे जी को मुंबई जाकर के सम्मान के साथ लाया जाएगा संजय रावत कांग्रेस के प्रवक्ता है शिवसैनिक उस समय कहां थे जब सत्ता के लालच में कांग्रेस के साथ चले गए कश्मीर समस्या कांग्रेस की ही देन है जिसके संजय रावत प्रवक्ता है कश्मीरी पंडितों को लेकर के घड़ियाली आंसू बहाने वाले संजय रावत अगर हिम्मत है तो कश्मीरियों के पलायन को रोकने के लिए हम लोगों के साथ श्रीनगर चले शिवसेना एवं आम आदमी पार्टी कश्मीरी पंडितों को लेकर के केवल राजनीति कर रही है माननीय मुख्यमंत्री जी योगी आदित्यनाथ जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर आज शाम 5:00 बजे ब्लड बैंक में ब्लड दे कर के एवं अपने खून से कश्मीर चलो का नारा देंगे और जिस तरह 15 अगस्त 2019 में 370 आर्टिकल हटने पर श्रीनगर लाल चौक पर तिरंगा लहराया था उसी तरह कश्मीरी पंडितों के पलायन को रोकने के लिए दिनेश सिंह श्रीनगर के लिए अपने साथियों के साथ रवाना होंगे

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मो0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।